केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 123 बुधवार 25 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

घर के अंदर फंदे से लटका मिला युवक का शव



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गौर ब्लॉक के मझौवा चौधरी गांव में मंगलवार सुबह 7 बजे मनोज का शव घर के अंदर फंदे से लटका मिला। मनोज की मौत की वजह अभी साफ नहीं है।

मनोज (28) इंद्रजीत का बेटा था और तीन भाइयों में सबसे छोटा था। वह मजदूरी करके परिवार चलाता था। उसकी पत्नी रिया और दो बेटियां हैं। छोटी बेटी 25 दिन की है, जबकि बड़ी बेटी करीब तीन साल की है। मनोज के भाई ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर जांच की और शव को फंदे से उतरवाकर अपने कब्जे में लिया। इसके बाद शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बस्ती भेजा गया।

पैकोलिया थाना प्रभारी मोतीचंद राजभर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही मौत की वजह साफ हो सकेगी। परिवार के लोग मनोज की मौत की वजह नहीं बता पा रहे हैं। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

मिक्सर मशीन में घुसी बाइक, युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। तेज रफ्तार बाइक मिक्सर मशीन में जा घुसी। हादसे में एक की मौत हो गई, जबकि एक युवती समेत दो को हल्की चोटें आईं। दोनों को प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को घर भेज दिया गया है। दुबौलिया थाना क्षेत्र के धरमपुर निवासी मोहम्मद आविद अली (22) पिता मोहम्मद मदीशू के रूप में हुई। बाइक पर उनके साथ मोहम्मद आरिफ (22) पिता मोहम्मद हलीम और तबस्सुम पिता मोहम्मद मदीशू भी सवार थीं। हादसे में दोनों को हल्की चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही कलवारी पुलिस भी पहुंच गई। तीनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां पर इलाज के दौरान मोहम्मद आविद अली को मृत घोषित कर दिया गया।

बाइक सवार आरिफ और तबस्सुम को उपचार के बाद घर भेज दिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

इंस्पेक्टर कलवारी संतोष गौड़ ने बताया कि गौसपुर बाजार में मिक्सर मशीन में पीछे से बाइक टकराने से हादसा हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

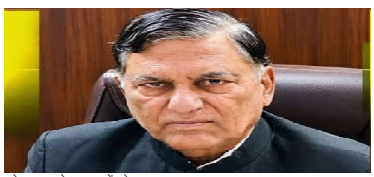
श्रद्धालुओं से भरी पिकअप पलटी, कई घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुबौलिया थानाक्षेत्र के सेमरा केवाड़ी संपर्क मार्ग पर मंगलवार सुबह श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में आधा दर्जन श्रद्धालु घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस और निजी वाहनों से सीएचसी कलवारी पहुंचाया गया। सभी को सामूली चोटें आई हैं। कलवारी थानाक्षेत्र के गंगापुर गांव से करीब दो दर्जन श्रद्धालु पिकअप पर सवार होकर दुबौलिया थाना क्षेत्र स्थित बाबा रामनिहाल दास की कुटी पर दर्शन करने जा रहे थे। मंगलवार सुबह करीब दस बजे सेमरा केवाड़ी संपर्क मार्ग पर बंधे के पास अचानक पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने पिकअप में फंसे श्रद्धालुओं को बाहर निकाला। घायलों में रीमा, आरती और नेहा समेत करीब आधा दर्जन लोग शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से सभी घायलों को सीएचसी कलवारी पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार, घायलों को मामूली चोटें आई हैं।

पूर्व राज्यसभा सदस्य बनवारी लाल कंछल को तीन साल की सजा

लखनऊ (आभा)। राजधानी लखनऊ में व्यापार कर भवन में घुसकर आगजनी और मारपीट करने के साथ सरकारी काम में बाधा पहुंचाने के 28 साल पुराने मामले में एमपी एमएलए कोर्ट ने पूर्व राज्यसभा सदस्य बनवारी लाल कंछल समेत तीन को तीन साल की सजा सुनाई है। प्रत्येक दोषी को 36–36 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। इससे पहले विशेष न्यायाधीश उमाकांत जिंदल ने व्यापारी नेता बनवारी लाल कंछल, हुकुमचंद अग्रवाल और देशराज अग्रवाल को दोषी करार दिया है।



अदालत ने तीनों की जमानतें निरस्त करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में लेकर जेल भेज दिया। पुलिस ने इस मामले में बनवारी लाल कंछल, मोती चंद्र अग्रवाल, हुकुमचंद अग्रवाल, देशराज अग्रवाल, श्रीनिवास अग्रवाल एवं राजेंद्र कुमार अग्रवाल के विरुद्ध आरोप पत्र दाखिल किया था, जिसमें विचारण के दौरान मोती चंद्र अग्रवाल एवं श्रीनिवास अग्रवाल की मृत्यु हो गई। वहीं, अदालत ने राजेंद्र अग्रवाल को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त कर दिया।

अभियोजन की ओर से एडीजीसी महेश प्रसाद तिवारी ने बताया कि इस मामले की रिपोर्ट 12 अगस्त 1998 को तत्कालीन असिस्टेंट कमिश्नर प्रशासन व्यापार कर एमएम कटियार ने हजरतगंज थाने में दर्ज कराई थी। इसमें उन्होंने कहा कि उसी दिन ठाकुर प्रसाद असिस्टेंट कमिश्नर प्रवर्तन क्षेत्र बी व्यापार कर लखनऊ की भी एक रिपोर्ट हजरतगंज थाने में दर्ज कराई गई थी। इस घटना की तुरंत बाद पुलिस एवं प्रशासन के लोग व्यापार कर भवन में आ गए। आरोप यह भी लगाया गया कि पुलिस एवं प्रशासन के लोगों के आने के बाद उनकी मौजूदगी में दोपहर करीब सवा एक बजे बनवारी लाल कंछल, मोतीलाल अग्रवाल, अशोक कुमार गुप्ता, सीबीएवाई संचालक मिंटू, शमीम, भईयन, श्रीनिवास अग्रवाल, हुकुमचंद अग्रवाल व देशराज करीब दो से ढाई सौ अराजक तत्वों के साथ लाठी डंडा एवं असलहे लेकर व्यापार कर भवन परिसर में गालियां व धमकी देते हुए सरकारी कार्य कर रहे अधिकारियों को जान से मारने की नीयत से मारपीट कर घायल कर दिया।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि इन सभी आरोपियों ने बहुत से सरकारी वाहनों एवं भवन में तोड़फोड़ करते हुए अध्यक्ष व्यापार कर अधिकरण के वाहन एम्बेसडर कर यूएएम– 2771 में आग लगा दी। इस मामले में अभियोजन की ओर से नौ गवाह पेश किए गए तथा आरोपों को साबित करने के लिए पांच अभिलेखीय साक्ष्य प्रस्तुत किए गए।

मतदाता सूची पुनरीक्षण की शिकायत निस्तारण के लिए डीसीसी स्थापित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण–2027 को लेकर मतदाताओं की सुविधा के लिए जिला स्तर पर डिस्ट्रिक्ट कांटेक्ट सेंटर (डीसीसी) स्थापित किया गया है। कलेक्ट्रेट स्थित ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर कार्यालय में संचालित इस केंद्र के माध्यम से मतदाता सूची से जुड़ी शिकायतों और सुझावों का निस्तारण किया जाएगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एस. सुधाकरन की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, एक जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर चल रहे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत आलेख्य प्रकाशन 17 नवंबर 2026 से अंतिम प्रकाशन चार जनवरी 2027 तक यह केंद्र सक्रिय रहेगा। इसके लिए 05542–246810 दूरभाष नंबर निर्धारित किया गया है।

इस लैंडलाइन नंबर को 1950 पर पोर्ट कर टोल–फ्री सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। डीसीसी आम नागरिकों के लिए प्रतिदिन सुबह नौ बजे से रात नौ बजे तक क्रियाशील रहेगा। जिले के मतदाता पुनरीक्षण से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी, शिकायत अथवा सुझाव के लिए इस केंद्र के टोल फ्री नंबर 1950 पर संपर्क कर सकते हैं।

एनएससीटी ने कन्यादान में दिया आर्थिक सहयोग



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मानव सेवा और सामाजिक सरोकार को समर्पित संस्था एनएससीटी ने साऊघाट विकास खण्ड के बड़ेरिया खुर्द निवासी बजरंगी प्रसाद की बेटी के विवाह में एक लाख 75 हजार रुपये का आर्थिक सहयोग दिया।

संस्था के संस्थापक सदस्य एवं एनएससीटी प्रभारी प्रमोद कुमार ओझा ने कन्या के परिवार को प्रतीकात्मक डमी चेक एक लाख पचहत्तर का भेंट करते हुए नवविवाहित दम्पति को सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर संस्था के साऊघाट प्रभारी संदीप यादव ने कहा कि एनएससीटी का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक मदद पहुंचाना है। बेटी के विवाह में सहयोग करना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है, अवधेश वर्मा जिला टीम सदस्य ने बताया कि संस्था आगे भी इस तरह के सामाजिक कार्यों को करती रहेगी।उक्त कार्य क्रम में उनके रिश्तेदार और ग्रामवासी भी उपस्थित रहे

परिवार ने संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहयोग से उनकी बेटी का विवाह सम्मानपूर्वक सम्पन्न हो सकेगा।

19 खाताधारकों की आरडी में धोखाधड़ी, मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुबौलिया बाजार स्थित ग्राहक सेवा केंद्र के जरिए 19 खाताधारकों की आरडी के 3,26,656 रुपये का भुगतान नहीं हुआ। आरोप है कि केंद्र संचालक ने खाताधारकों से रुपये जमा कराने के बाद उनके नाम पर आरडी नहीं खोली और उन्हें फर्जी रसीदें दे दीं।

दुबौलिया थाना क्षेत्र के विशेषरगंज बाजार निवासी रविंद्र सोनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 1 जनवरी 2015 से 30 जून 2018 तक ब्रंच कुमार के ग्राहक सेवा केंद्र पर एजेंट के रूप में काम करता था। इस दौरान उसने कई लोगों के डेली खाते खुलवाए थे। खाताधारकों से रोजाना रुपये लेकर ग्राहक सेवा केंद्र में जमा किए जाते थे और उन्हें जमा रकम की रसीद दी जाती थी।

शिकायत के मुताबिक, 19 खाताधारकों की कुल 3,26,656 रुपये की रकम का भुगतान नहीं हुआ। जांच में पता चला कि संबंधित खाताधारकों के नाम पर आरडी खोली ही नहीं गई थी और उन्हें फर्जी रसीदें दी गई थीं।

ग्राहक सेवा केंद्र बंद होने के बाद खाताधारकों की रकम की जिम्मेदारी को लेकर विवाद हुआ। रविंद्र सोनी की शिकायत पर पुलिस ने दुबौलिया बाजार निवासी ध्रुव कुमार और भारतीय स्टेट बैंक की दुबौलिया बाजार शाखा के प्रबंधक के खिलाफ केस दर्ज किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मतदाता जोड़ो अभियान,संगठन की मजबूती, आगामी कार्ययोजना को लेकर भाजपा ने किया मंथन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रदेश के कृषि मंत्री एवं जनपद बस्ती के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सर्किट हाउस, में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक बैठक की। बैठक में जिला प्रभारी क्षेत्रीय महामंत्री डॉ. सत्येंद्र सिन्हा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अमृत कुमार वर्मा ने किया। बैठक में संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रियता, आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में 'मतदाता जोड़ो अभियान' पर विशेष चर्चा की गई। यह अभियान 16 दिसंबर 2026 तक चलेगा। इसके अंतर्गत युवाओं, महिलाओं एवं अन्य पात्र नागरिकों को जोड़कर उनका फॉर्म–6 भरवाया जाएगा, ताकि उन्हें मतदाता सूची में सम्मिलित करवाया जा सके।

प्रभारी मंत्री ने कार्यकर्ताओं से अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से चलाने और पात्र व्यक्तियों तक इसकी जानकारी पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री जी ने संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण और सामूहिक प्रयासों के आधार पर निरंतर आगे बढ़ रहा है।



–सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचायें कार्यकर्ता– सूर्य प्रताप शाही

उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी से अपने संगठनात्मक दायित्वों का पूरी निष्ठा, अनुशासन और सक्रियता के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनें तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने में सहयोग करें।

बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय, बूथ स्तर तक संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाने तथा पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने पर भी चर्चा हुई। प्रभारी मंत्री ने संगठनात्मक एकजुटता और आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए पार्टी के निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने पर बल दिया। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठनात्मक विषयों पर अपने विचार भी रखे।

कार्यक्रम में हर्रैया विधायक अजय सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष किसान मोर्चा रामानन्द नन्हे, विधानसभा प्रभारी राम ललित चौधरी, राकेश मिश्र, प्रत्यूष विक्रम सिंह, वीरेन्द्र गौतम, अखण्ड प्रताप सिंह, दिलीप पाण्डेय, ब्रह्मदेव यादव, शिवानी सिंह, प्रेम प्रकाश चौधरी, अभिषेक कुमार गौतम, जिला मंत्री राकेश शर्मा, सुनील सिंह, राजेन्द्र राजभर, सुरेन्द्र कुमार चौधरी, विनय सिंह भारद्वाज, प्रदीप निषाद, नीलम गौड़, कोषाध्यक्ष राधेश्याम कमलापुरी, नीरज त्रिपाठी, मंजू श्रीवास्तव, वरुण पांडे, विनय यादव, राम सूरत गौड़, प्रभु दयाल वर्मा, रवि चंद पांडे, मनोज ठाकुर, नगेंद्र सिंह सिन्कू, विमलेंद्र सिंह, सतेन्द्र सिंह भोलू, विजय पांडे राजू, राजकुमार शुक्ल, दिव्य प्रकाश, राजेश त्रिपाठी, ओमकार सिंह, मनोज कुमार पाठक, लवकुश शुक्ला, गंगेश सिंह, राजेश कमलापुरी, गौरव मणि तिवारी, गिरिजेश यादव, निरंकुश शुक्ला, विजय भान सिंह, सुजीत सोनी, सुधाकर विक्रम सिंह, सुरेश भट्ट, सर्वजीत भारती, शिव प्रसाद चौधरी, पवन पाण्डे अंकित, संजय कुमार चौरसिया, वेद प्रकाश त्रिपाठी, दुर्गेश अग्रहरि, शिव चरन तारक जयसवाल, आदित्य,राज कपूर, सचिन सिंह, अजय पाल सिंह , सरोज मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

जब तक सिख गुरुओं के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रहेगा, कोई ताकत भारत का बाल बांका नहीं कर पाएगी –सीएम योगी

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब तक भारत सिख गुरुओं के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रखेगा, दुनिया की कोई ताकत उसका बाल बांका नहीं कर पाएगी। सिख गुरुओं का त्याग, तपस्या, बलिदान और उनकी आध्यात्मिक चेतना भारत की राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव की अमूल्य धरोहर है। गुरु नानक देव जी महाराज ने एक ओंकार के माध्यम से संपूर्ण मानवता को एक सूत्र में पिरोने का संदेश दिया। उनकी शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी उस समय थीं। हमें इन शिक्षाओं को केवल आयोजनों तक सीमित न रखकर अपने जीवन में आत्मसात करना होगा और नई पीढ़ी को भी इनसे निरंतर परिचित कराना होगा।



मुख्यमंत्री मंगलवार को साहिब श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 557वें पावन प्रकाश पर्व के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत प्रसन्नता और सौभाग्य का अवसर है कि हम सभी इतने भव्य और उत्साहपूर्ण वातावरण में गुरु नानक देव जी महाराज का प्रकाश पर्व मना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कार्तिक पूर्णिमा के आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि आज का दिन पूरे प्रदेश के लिए अत्यंत पवित्र है। वह प्रातः चार बजे से ही प्रदेश के विभिन्न धार्मिक स्थलों से श्रद्धालुओं की संख्या और व्यवस्थाओं की जानकारी ले रहे थे। मुजफ्फरनगर के शुकतीर्थ में लाखों श्रद्धालु मां गंगा में स्नान कर रहे हैं। हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर में प्रातःकाल से अब तक लगभग 15 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं, जबकि अमरोहा के तिगरी में भी 15 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई है। प्रयागराज और फर्रुखाबाद में भी भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। अयोध्या और काशी में लाखों श्रद्धालु गंगा स्नान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर काशी की विश्वप्रसिद्ध देव दीपावली का आयोजन भी होना है, जिसमें लाखों दीप प्रज्ज्वलित होंगे। मान्यता है कि भगवान शिव ने इसी दिन त्रिपुरासुर का वध कर धरती को आतंक से मुक्त कराया था। इसी परंपरा और धार्मिक आस्था के अनुरूप गढ़मुक्तेश्वर, काशी सहित प्रदेश के विभिन्न तीर्थस्थलों पर कार्तिक पूर्णिमा के आयोजन हर्षोल्लास के साथ होते हैं। यह दिन इसलिए भी विशेष है, क्योंकि मानवता को अज्ञान के अंधकार से निकालकर ज्ञान और प्रकाश का मार्ग दिखाने वाले गुरु नानक देव जी महाराज का पावन प्रकाश पर्व भी इसी दिन मनाया जाता है। मुख्यमंत्री योगी ने गुरु नानक देव जी महाराज की यात्राओं और उनके समय की सामाजिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब उन्होंने मानवता को एकता का संदेश दिया, उस समय समाज अनेक प्रकार की विसंगतियों और विभाजनों से जूझ रहा था। जाति, छुआछूत और अस्पृश्यता के नाम पर समाज बिखरा हुआ था। दूसरी ओर विदेशी आक्रमण और बाहरी हमलों की चुनौतियां भी थीं। ऐसे कठिन दौर में गुरु नानक देव जी महाराज ने एक ओंकार का मंत्र देकर संपूर्ण मानवता को एक सूत्र में बांधा। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी महाराज का स्पष्ट संदेश था कि ईश्वर एक है और हम सभी उसकी संतान हैं।

शिक्षिका के साथ लापता छात्र लखनऊ में मिला, सीडब्ल्यूसी के समक्ष किया गया पेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थानाक्षेत्र से लापता 11वीं के छात्र को पुलिस ने बरामद कर लिया है। छात्र के पिता ने विद्यालय की 26 वर्षीय शिक्षिका पर उसे बहला–फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया था। बरामदगी के बाद पुलिस ने किशोर को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष पेश किया। मामले में पुलिस आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है। कप्तानगंज क्षेत्र के एक निजी विद्यालय में कक्षा 11 में पढ़ने वाला 16 वर्षीय छात्र अचानक लापता हो गया था। छात्र के पिता उसी विद्यालय के प्रबंधक हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि विद्यालय में करीब एक वर्ष से कार्यरत 26 वर्षीय शिक्षिका उनके बेटे को बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गई है। काफी तलाश के बाद भी छात्र का पता नहीं चलने पर पिता ने कप्तानगंज थाने में तहरीर दी थी। पुलिस ने शिक्षिका के खिलाफ संबंधित धाराओं और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर छात्र की तलाश शुरू की थी।

थानाध्यक्ष आलोक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि लापता किशोर को बरामद कर लिया गया है। उसे सीडब्ल्यूसी के समक्ष पेश किया गया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक सुनील कुमार तिवारी कर रहे हैं। नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गणित, विज्ञान शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापनः त्रुटि रहित वरिष्ठता सूची जारी करने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत 29,334 विज्ञान एवं गणित विषय के सहायक अध्यापकों ने ज्येष्ठता 'वरिष्ठता' सूची के विधिक एवं त्रुटिरहित निर्धारण की मांग को लेकर शिक्षक रमेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में कैबिनेट मंत्री सूर्यप्रताप शाही, सांसद राम प्रसाद चौधरी और डीएम, सीडीओ को 9 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।



ज्ञापन सौंपने के बाद शिक्षक रमेश कुमार वर्मा ने बताया कि गोरखपुर और बुलंदशहर जनपदों में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों द्वारा मूल विज्ञापन के नियम को मानते हुए वरिष्ठता सूची जारी कर दिया है, जबकि बस्ती में इसकी अनदेखी की जा रही है।

शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि जनपद की उच्च प्राथमिक (विज्ञान/गणित) वरिष्ठता सूची का पुनरीक्षण पूर्णतः नियमावली, शासनादेशों के अनुरूप कराया जाए, जिससे योग्य शिक्षकों के विधिक अधिकारों का हनन न हो। ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से मनीष कुमार, राममभवन यादव, राजेश यादव, वासदेव, दयाशंकर, हरिशंकर, करूणांकर, वीरेन्द्र, मूलशंकर, रणवीर, रजनीश, डॉ. सुनील यादव, पवन वर्मा आदि गणित, विज्ञान के शिक्षक शामिल रहे।

महंत ध्रुव भारती, पूर्व ब्लॉक प्रमुख गोस्वामी कुमकुम भारती के साथ अनेक ग्राम प्रधान रालोद में शामिल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को राष्ट्रीय लोकदल की बैठक प्रेस क्लब समागार में प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्यराज सिंह की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। बैठक में संगठन को पूर्वान्चल में मजबूत किये जाने के साथ ही आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति और पार्टी की भूमिका पर विचार किया गया। बैठक के दौरान अनेक लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया।



बैठक को सम्बोधित करते हुये प्रदेश अध्यक्ष एश्वर्य राज सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल किसानों, युवाओं को उनका अधिकार देने सहित अनेक सवालों को लेकर निरन्तर सक्रिय है। राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री जयन्त चौधरी संगठन की मजबूती को लेकर सक्रिय हैं। कहा कि रालोद आने वाले विधानसभा के चुनाव में पूरी मजबूती से उतरेगी। उन्होने कहा कि मजबूत संगठन से ही भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के संकल्प पूरे होंगे।

–विधानसभा चुनाव में पूरी मजबूती से उतरेगी रालोद–ऐश्वर्यराज सिंह

रालोद जिलाध्यक्ष राधेश्याम चौधरी, महासचिव सुनील पाण्डेय, उपाध्यक्ष दीपक मिश्र ने कहा कि रालोद आने वाले विधानसभा के चुनाव में पूरी मजबूती से उतरेगी। उन्होने कहा कि मजबूत संगठन से ही भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के संकल्प पूरे होंगे। प्रेस क्लब समागार में हुई बैठक में गोस्वामी महासभा के राष्ट्रीय महासचिव एवं जिला पंचायत सदस्य महंत ध्रुव भारती, पूर्व ब्लॉक प्रमुख गोस्वामी कुमकुम भारती, वीरेन्द्र कुमार 'बब्लू', अरुण चौधरी, अभिषेक यादव, ओमकार चौधरी, रमेश यादव, संतोष यादव, जितेंद्र कुमार के साथ ही अनेक ग्राम प्रधान और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग रालोद में शामिल हुये। बैठक में अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 25 नवम्बर 2026 बुधवार

सम्पादकीय

नये सन्दर्भों में भारत–नेपाल

पड़ोसी देश नेपाल के साथ भारत का सदियों पुराना रोटी–बेटी का सम्बन्ध रहा है किन्तु पिछले दो दशक से स्थितियां तेजी के साथ बदली और नेपाल का झुकाव चीन की ओर बढता गया। नेपाल में बड़े पैमाने पर हिंसा और राजनीतिक उथलपुथल के बाद इसी वर्ष मार्च में वहां के प्रधानमंत्री बने बालेन शाह की ओर से अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत आना एक शुभ संकेत है। प्रथम विदेश यात्रा के लिए भारत को प्राथमिकता देना यह बताता है कि अंततः बालेन शाह को नई दिल्ली की महत्ता समझ आई। इसका एक कारण पश्चिम एशिया संकट के कारण नेपाल की आर्थिक समस्याएं बढ़ना और हाल की विनाशकारी बाढ़ से भारी तबाही होना भी हो सकता है। ध्यान रहे कि प्रधानमंत्री बनने के बाद वे भारत से संबंध सुधारने के लिए उत्सुक नहीं दिख रहे थे और यहां तक कि भारतीय विदेश सचिव से मुलाकात करने को भी तैयार नहीं थे।

हालांकि अपने पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री की तरह उन्होंने चीन के बजाय पहले भारत आना तय किया, पर देखना यह होगा कि वे संतुलन बैठाने के लिए बीजिंग जाने की तैयारी तो नहीं करते? नेपाल को यह समझ आए तो अच्छा कि चीन से संपर्क बनाए रखने और अपने यहां उसके प्रभुत्व को बढ़ने देने में अंतर है। इस अंतर को कायम रखने से ही भारत–नेपाल मैत्री प्रगाढ़ हो सकती है और बालेन शाह की नई दिल्ली यात्रा से जो सकारात्मक वातावरण बना, वह संबंधों की मधुरता बढ़ा सकता है।

युवा नेपाली प्रधानमंत्री की नई दिल्ली यात्रा पर जो अनेक समझौते हुए और भारत ने नेपाल के आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक विकास के लिए अच्छी–खासी सहायता राशि देने के साथ उसे हरसंभव मदद देने की जो वचनबद्धता व्यक्त की, वह इसका प्रमाण है कि भारत उसका भरोसेमंद हितैषी बनने को तत्पर है। अब नेपाल का भी यह दायित्व बनता है कि वह भारत के हितों का ध्यान रखते हुए दोस्ती को मजबूत करने वाले कदम उठाए, क्योंकि अतीत में वहां संकीर्ण राजनीतिक कारणों से न केवल भारत के खिलाफ माहौल बनाया गया, बल्कि उस चीन से नजदीकी बढ़ाई गई, जो हर देश में अपना प्रभुत्व कायम करना चाहता है और केवल अपने ही स्वार्थ सिद्ध करने की कोशिश में रहता है। वह ऐसी ही कोशिश नेपाल के साथ भारत के अन्य पड़ोसी देशों में भी कर रहा है। केवल भूटान ही चीन के प्रभाव–दबाव में आने को तैयार नहीं।

नेपाल को इससे अवगत होना चाहिए कि चीन ने दोस्ती के बहाने किस तरह विभिन्न देशों के हितों पर चोट की है। यह स्वागतयोग्य है कि भारत और नेपाल के बीच ऐसे भी अनेक समझौते हुए, जो दोनों देशों के बीच के आर्थिक रिश्तों के साथ सांस्कृतिक–धार्मिक संबंधों को बल देने और एक–दूसरे के प्रति सहयोग एवं भरोसा बढ़ाने वाले हैं। चूंकि भारत और नेपाल में बहुत कुछ साझा है, इसलिए इसका कोई कारण नहीं कि दोनों देशों के बीच कोई खटपट हो और संकीर्ण इरादों से पैदा किए गए सीमा विवाद जैसे मामले संबंध सुधार में बाधक बनें।

सोने का सम्मोहन

भारत में सदियों से सोने का सम्मोहन रहा है। हमारे लिये यह सोना महज कीमती धातु ही नहीं है बल्कि हम सबके संस्कारों, रीति–रिवाजों और धार्मिक अनुष्ठानों का हिस्सा रहा है। मौजूदा दौर में यह लाखों परिवारों के लिये एक निवेश और वित्तीय सुरक्षा का जरिया भी है। माना जाता है कि सोना संकट का साथी है। इसलिये, सोने के आभूषणों की शुद्धता के मामले में कोई समझौता स्वीकार्य नहीं हो सकता है। लेकिन नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग के ऑडिट के शुरुआती निष्कर्षों ने ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स यानी बीआईएस की निगरानी प्रणाली में गंभीर खामियों को उजागर किया है। निस्संदेह, यह एक ऐसी चेतावनी है, जिसे नियामक भी अनदेखी नहीं कर सकते। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के ऑडिट के शुरुआती निष्कर्षों से पता चलता है कि पिछले पांच वर्षों में अस्सी फीसदी से अधिकृत पंजीकृत जौहरियों की जांच न कर पाना विडंबना ही है। इसके साथ ही हॉलमार्किंग केंद्रों के अनिवार्य ऑडिट में 43.7 फीसदी की कमी होना नियामक संस्था के अपने कर्तव्यों की पालना में गंभीर लापरवाही को ही दर्शाता है। यह बात भी बेहद चिंताजनक है कि प्रवर्तन कार्रवाई, कानूनी मुकदमों और दंडात्मक कार्रवाई के कोई व्यवस्थित रिकॉर्ड नहीं रखे गये हैं। जो नियामक संस्था नियमों के पालन की ठीक से निगरानी नहीं कर सकती अथवा नियमों के उल्लंघन पर नजर नहीं रख सकती, निश्चित रूप से वह पूरी निगरानी प्रणाली की विश्वसनीयता को ही कमजोर कर देती है। दूसरे शब्दों में कहें तो वह उपभोक्ताओं की रक्षा करने की जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर पायी है। वहीं दूसरी ओर रेनेयम की कथित मिलावट की जांच, जो संभवतः नियमित शुद्धता परीक्षाओं की जांच में पकड़ में नहीं आ पायी थी, इस बात को ही उजागर कर देती है कि सही मायने में केवल मौजूदा परीक्षण विधियों पर निर्भर रहने की अपनी सीमाएं हैं। जो जांच के तौर–तरीकों में बदलाव की जरूरत को बताता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सोने को लेकर ग्राहकों के विश्वास को हर कीमत पर बनाये रखना लाजिमी है। जांच परीक्षण में सोने की शुद्धता स्पष्ट न होना हालांकि एक अलग मामला है, लेकिन इससे यह अंतिम निष्कर्ष भी नहीं निकाला जा सकता है कि सोने में बड़े पैमाने पर मिलावट हो रही है। लेकिन इतना जरूरी है कि सोने को गुणवत्ता की कसौटी पर खरा उतारने के लिये जांच के लिये अधिक उन्नत परीक्षण किया जाना चाहिए। इसके साथ ही गुणवत्ता के मानकों के निर्धारण के लिये स्वतंत्र सत्यापन की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है। देश में नियामक संस्था के लिये मैनपॉवर की कमी नहीं है। वहीं दूसरी ओर भौगोलिक बाधाओं को अपर्याप्त निगरानी के लिये स्थायी बहाना नहीं बनाया जा सकता है। 'ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स' को अपनी निरीक्षण क्षमता को निश्चित रूप से मजबूत व पारदर्शी करना चाहिए। यदि उन्नत टेस्टिंग वाली तकनीक को अपनाया जाता है तो लोगों का व्यवस्था पर भरोसा कायम होगा। सही मायने में ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स को जोखिम–आधारित निगरानी प्रणाली लागू करनी चाहिए। साथ ही सख्त जवाबदेही सुनिश्चित करने की जरूरत है। इसके अलावा थर्ड–पार्टी ऑडिट और विकेंद्रीकृत निगरानी व्यवस्था से भी कवरेज में सुधार किया जा सकता है। सही मायने में उपभोक्ताओं को 'बीआईएस केयर' ऐप के जरिये बीआईएस हॉलमार्क और छह अंकों वाले हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन यानी एचयूआईडी कोड की जांच जरूर करनी चाहिए। यह भी कि उपभोक्ता हमेशा प्रतिष्ठित ज्वैलर्स से ही सोने के आभूषण खरीदें। साथ ही उपभोक्ता को सुनार से विस्तृत बिल की मांग भी करनी चाहिए। सही मायने में, हॉलमार्किंग सोने के आभूषण पर लगा महज एक ठप्पा मात्र नहीं है। बल्कि यह सोने की शुद्धता का वायदा भी है। दूसरे शब्दों में कहें तो हॉलमार्क को कड़े निरीक्षण, पारदर्शी प्रवर्तन और भरोसेमंद टेस्टिंग का संबल मिलना चाहिए। सही अर्थों में इन सुरक्षा मानकों के अनुपालन के बिना, नियामक ढांचा कभी भी सोने जितना खरा होने का दावा नहीं कर पाएगा।

यूपी में चुनावी बिगुल का इन्तजार





—अजय कुमार—

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लगने की आहट के साथ ही पूरे प्रदेश में राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। नेता टिकट के लिए दौड़ लगा रहे हैं, तो योगी सरकार अपने मनपसंद अधिकारियों की ट्रांसफर–पोस्टिंग में लगी है। आचार संहिता लगने से पूर्व सरकार विकास की किसी योजना को भी मंजूरी देने और नई योजनाओं का उद्घाटन करने में लगी है। प्रदेश में आचार संहिता लगने के लिए दो महीने से भी कम का समय बाकी रह गया है। यह कहना गलत नहीं होगा कि नया साल और आचार संहिता एक साथ श्रद्धस्तकश्र देंगे। लोकतंत्र के इस सबसे बड़े उत्सव को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए भारतीय निर्वाचन आयोग की ओर से प्रत्येक चुनाव से पूर्व आदर्श आचार संहिता लागू की जाती है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश की 18वीं विधानसभा का पांच साल का कार्यकाल 19 मार्च 2027 को समाप्त होने जा रहा है। संवैधानिक नियमों के तहत निर्वाचन आयोग किसी भी विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से छह महीने पहले तक की अवधि में कभी भी चुनाव करा सकता है। निर्वाचन आयोग की ओर से अभी तक 2027 के चुनावों की आधिकारिक तारीखों का ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन पिछले चुनावी चक्रों और उपलब्ध जानकारियों के आधार पर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि मतदान फरवरी या मार्च 2027 में हो सकता है। इसके लिए नए साल के दूसरे हफ्ते तक आचार संहिता लागू हो सकती है। साल 2022 के विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव आयोग ने 8 जनवरी 2022 को कार्यक्रम की घोषणा की थी और उसी दिन से प्रदेश में आचार संहिता लागू हो गई थी। इसी पैटर्न को देखते हुए संभावना जताई जा रही है कि 2027 के चुनावों के लिए भी जनवरी 2027 के पहले या दूसरे सप्ताह में चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस के साथ ही पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो सकती है। जब तक आयोग की आधिकारिक घोषणा नहीं हो जाती, तब तक इन तारीखों को संभावित ही माना जाता है।

आदर्श आचार संहिता के लागू होते ही प्रदेश की पूरी शासन व्यवस्था और सरकारी कामकाज के तौर–तरीकों में बड़ा बदलाव आ जाता है। चूंकि आचार संहिता का मुख्य उद्देश्य सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को समान अवसर प्रदान करना है, इसलिए सत्ताधारी दल के हाथों से प्रशासनिक मशीनरी के इस्तेमाल का अधिकार सीमित हो जाता है। चुनाव की तारीखों की घोषणा के तुरंत बाद राज्य का पूरा प्रशासनिक तंत्र, विशेष रूप से चुनाव प्रक्रिया से जुड़े अधिकारी और पुलिस बल, सीधे तौर पर निर्वाचन आयोग के नियंत्रण और निगरानी में आ जाते हैं। इसके बाद सरकार कोई भी नया नीतिगत फैसला नहीं ले सकती और न ही किसी नई कल्याणकारी योजना, परियोजना या वित्तीय अनुदान की घोषणा कर सकती है। मुख्यमंत्री, मंत्री या किसी भी जनप्रतिनिधि के लिए नए कार्यों का शिलान्यास, लोकार्पण या भूमि पूजन करने पर पूरी तरह से रोक लग जाती है। सरकारी खजाने से सरकार की उपलब्धियों का बखान करने वाले विज्ञापनों पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया जाता है। यहां तक कि सरकारी वेबसाइटों, दफ्तरों और सार्वजनिक स्थानों से मंत्रियों और नेताओं की तस्वीरें, पोस्टर और बैनर तय समय सीमा के भीतर हटा दिए जाते हैं। सरकारी संपत्तियों से प्रचार सामग्री हटाने के लिए 24 घंटे, सार्वजनिक स्थानों के लिए 48 घंटे और निजी संपत्तियों के लिए 72 घंटे की समय सीमा निर्धारित होती है। सरकारी कामकाज पर इसका एक और बड़ा असर तबादलों और नियुक्तियों के रूप में दिखता है। चुनाव प्रक्रिया से जुड़े किसी भी अधिकारी या कर्मचारी का तबादला या नई तैनाती बिना चुनाव आयोग की पूर्व अनुमति के नहीं की जा सकती। मंत्रियों के सरकारी वाहनों और गेस्ट हाउस के इस्तेमाल पर भी सख्त पाबंदी लग जाती है। कोई भी मंत्री अपने सरकारी दौरे को चुनाव प्रचार के साथ नहीं जोड़ सकता और न ही सरकारी कर्मचारियों या संसाधनों का उपयोग चुनावी सभाओं के लिए कर सकता है। हालांकि, इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि प्रदेश में विकास कार्य या रोजमर्रा के सरकारी काम पूरी तरह ठप हो जाते हैं। जो परियोजनाएं आचार संहिता लगने से पहले ही धरातल पर शुरू हो चुकी हैं, उनका निर्माण कार्य सुचारू रूप से चलता रहता है। इसी तरह, पहले से चल रही पेंशन, राशन वितरण, स्वास्थ्य सेवाएं, कानून–व्यवस्था बनाए रखने और प्राकृतिक आपदा या आपातकालीन स्थिति में राहत पहुंचाने जैसे नियमित प्रशासनिक कार्यों पर कोई रोक नहीं होती। सरकार केवल रूटीन के कामकाज ही निपटा सकती है, लेकिन किसी नए वर्ग को लुभाने वाला कोई फैसला नहीं ले सकती।

चुनावी बिगुल बजने और आचार संहिता लागू होने की इस समय सीमा को मापते हुए हर सरकार उससे ठीक पहले के महीनों और हफ्तों में बेहद सक्रिय हो जाती है। आचार संहिता लगने से पहले सरकार की कोशिश होती है कि वह अपने सभी प्रमुख चुनावी वादों को पूरा कर दे और जनता को सीधे लाभ पहुंचाने वाले बड़े फैसले ले ले, ताकि चुनाव में इसका राजनीतिक लाभ मिल सके। इस कड़ी में सबसे पहला और अहम कदम बड़ी विकास परियोजनाओं के ताबड़तोड़ शिलान्यास और लोकार्पण का होता है। एक्सप्रेसवे, मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय, हवाई अड्डे और बड़े पुलों जैसी परियोजनाओं का उद्घाटन आनन–फानन में किया जाता है, ताकि काम शुरू होने या पूरा होने का श्रेय लिया जा सके। इसके साथ ही, राज्य कैबिनेट की लगातार बैठकें बुलाकर विभिन्न वर्गों को खुश करने वाली नई योजनाओं को मंजूरी दी जाती है। इनमें किसानों के लिए ऋण माफी या सम्मान निधि में बढ़ोतरी, युवाओं को मुफ्त टैबलेट, स्मार्टफोन या लैपटॉप वितरण, बेरोजगारी भत्ता और महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता जैसी लोकलुभावन घोषणाएं शामिल होती हैं। यह कार्य योगी सरकार भी कर रही है और पूर्ववर्ती सरकारें भी करती रही हैं।

प्रशासनिक स्तर पर आचार संहिता लगने से ठीक पहले बड़े पैमाने पर आईएएस, आईपीएस, पीसीएस और पीपीएस अधिकारियों के तबादले किए जाते हैं। सरकार अपनी सुविधा और प्रशासनिक चुस्ती के हिसाब से जिलों में जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों की तैनाती करती है, क्योंकि एक बार आचार संहिता लागू होने के बाद तबादलों की चाबी चुनाव आयोग के पास चली जाती है। इसके अलावा, सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के बड़े वोट बैंक को साधने के लिए महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी, बोनस की घोषणा, पदोन्नति और नई भर्तियों के विज्ञापन जारी करने जैसे फैसले भी इसी दौर में लिए जाते हैं। कई बार सरकार विभिन्न आयोगों, बोर्डों और निगमों में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्तियां भी आचार संहिता लगने से ऐन पहले कर देती है, ताकि सहयोगी दलों और पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को समायोजित किया जा सके। इसी तरह, किसी क्षेत्र विशेष की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए नई तहसील, ब्लॉक या नगर पंचायत के गठन और किसी स्थान या संस्थान के नाम परिवर्तन जैसे फैसले भी कैबिनेट से पास कराए जाते हैं। कुल मिलाकर, आचार संहिता लागू होने से पहले का समय सरकार के लिए अपने तरकश के सभी तीर चलाने का होता है, जबकि आचार संहिता लागू होने के बाद पूरा तंत्र निष्पक्ष चुनाव कराने की संवैधानिक जिम्मेदारी में जुट जाता है।

सत्ता के सामने मौन होता मीडिया?



— डॉ. प्रियंका सौरभ—



लोकतंत्र की असली परीक्षा इस बात से नहीं होती कि सत्ता कितनी मजबूत है, बल्कि इस बात से होती है कि सत्ता से सवाल पूछने वाले कितने सुरक्षित हैं। जिस देश में पत्रकार सरकार की नीतियों, प्रशासनिक विफलताओं, भ्रष्टाचार और जनविरोधी फैसलों पर खुलकर सवाल पूछ सके, वहां लोकतंत्र जीवंत रहता है। लेकिन जिस व्यवस्था में सवाल पूछने वालों को ही संदेह की दृष्टि से देखा जाने लगे, आलोचना को दुश्मनी समझा जाए और असहमति को अपराध की तरह प्रस्तुत किया जाए, वहां लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती पर चिंता स्वाभाविक है। प्रेस की स्वतंत्रता केवल पत्रकारों का अधिकार नहीं, बल्कि जनता का जानने का अधिकार है। संविधान के अनुच्छेद 19(1)() में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रावधान इसी लोकतांत्रिक चेतना का आधार है। सर्वोच्च न्यायालय ने रोमेश थापर बनाम मद्रास राज्य (1950) और इंडियन एक्सप्रेस न्यूजपेपर्स बनाम भारत संघ (1985) जैसे मामलों में प्रेस की स्वतंत्रता को अभिव्यक्ति के अधिकार का महत्वपूर्ण हिस्सा माना। यह अधिकार सत्ता की कृपा से मिलने वाला उपहार नहीं, बल्कि लोकतंत्र में नागरिकों की संवैधानिक गरिमा का हिस्सा है।

पत्रकारिता का दायित्व केवल घटनाओं का विवरण देना नहीं, बल्कि उन घटनाओं के पीछे छिपे सच को सामने लाना भी है। सरकारी योजनाओं की सफलता का प्रचार करना आसान है, लेकिन उन योजनाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार, लाभार्थियों की वास्तविक स्थिति, प्रशासनिक उदासीनता और जनता की पीड़ा उजागर करना साहस मांगता है। जब पत्रकार किसी घोटाले की पड़ताल करता है, किसी अधिकारी की जवाबदेही तय करता है, किसी पीड़ित की आवाज सत्ता तक पहुंचाता है या किसी नीतिगत निर्णय के परिणामों पर प्रश्न उठाता है, तब वह लोकतंत्र की रक्षा करता है। लेकिन यदि मीडिया सत्ता की उपलब्धियों का मंच बनकर रह जाए और उसकी विफलताओं पर मौन धारण कर ले, तो पत्रकारिता अपने मूल उद्देश्य से भटक जाती है। लोकतंत्र में सत्ता को प्रश्नों से असुविधा हो सकती है, लेकिन प्रश्नों से असुविधा होना और प्रश्नों को दबाना दो अलग–अलग बातें हैं।

आज मीडिया के सामने सबसे बड़ा संकट केवल पत्रकारों की सुरक्षा का नहीं, बल्कि उनकी स्वतंत्रता और विश्वसनीयता का भी है। पत्रकारों पर दबाव अनेक रूपों में आता है। कभी विज्ञापन बंद करने की धमकी, कभी मुकदमों का भय, कभी सरकारी पहुंच से वंचित करना, कभी संस्थागत दबाव और कभी सीधे हिंसा के माध्यम से उनकी आवाज दबाने की कोशिश होती है। स्वतंत्र पत्रकारों के लिए यह संकट और गहरा है, क्योंकि उनके पीछे बड़े मीडिया संस्थानों की कानूनी टीम, आर्थिक संसाधन और संस्थागत सुरक्षा नहीं होती। एक फ्रीलांसर या स्थानीय पत्रकार किसी खबर की पड़ताल करते समय जितना जोखिम उठाता है, उसके बदले उसे अक्सर उतना आर्थिक और सामाजिक संरक्षण भी नहीं मिलता। पत्रकारिता का साहस पुरस्कारों और प्रशस्तियों से नहीं, बल्कि उस जोखिम से मापा जाता है जो सच सामने लाने के लिए उठाया जाता है।

पत्रकारों के विरुद्ध हिंसा इस संकट का सबसे भयावह रूप है। गौरी लंकेश की 2017 में हत्या ने देश को झकझोर दिया था और यह प्रश्न छोड़ दिया था कि असहमति व्यक्त करने वाले पत्रकार आखिर कितने सुरक्षित हैं। किसी पत्रकार की हत्या केवल एक व्यक्ति की आवाज समाप्त नहीं करती, बल्कि समाज में भय का वातावरण पैदा करती है। जब एक पत्रकार पर हमला होता है, तो उसके साथ कई दूसरे पत्रकार भी अपनी खबरों, अपने शब्दों और अपने सवालों पर विचार करने लगते हैं। हिंसा का वास्तविक उद्देश्य केवल पीड़ित को चुप कराना नहीं, बल्कि उन सभी लोगों को भयभीत करना होता है जो सच लिखने का साहस रखते हैं। इस भय से पैदा होने वाली आत्म–सेंसरशिप किसी भी प्रत्यक्ष प्रतिबंध से अधिक खतरनाक हो सकती है, क्योंकि इसमें पत्रकार स्वयं अपनी कलम रोकने लगता है।

डिजिटल युग ने पत्रकारिता को नई शक्ति दी है, लेकिन इसी डिजिटल दुनिया ने पत्रकारों के लिए उत्पीड़न का नया मैदान भी तैयार किया है। सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग, धमकियां, चरित्रहनन, निजी जानकारी सार्वजनिक करना और संगठित ऑनलाइन हमले विशेषकर महिला पत्रकारों को निशाना बनाते हैं। किसी खबर से असहमति होना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन पत्रकार के परिवार, निजी जीवन और चरित्र पर हमला करना आलोचना नहीं, बल्कि उसे डराने की रणनीति है। जब किसी महिला पत्रकार को उसके विचारों के बजाय उसकी पहचान, व्यक्तिगत जीवन या लिंग के आधार पर अपमानित किया जाता है, तो यह केवल व्यक्तिगत उत्पीड़न नहीं, बल्कि सार्वजनिक संवाद को दूषित करने का प्रयास होता है। ऐसी परिस्थितियों में पत्रकारों का पीछे हटना केवल व्यक्तिगत नुकसान नहीं, समाज के सूचना अधिकार का नुकसान है।

डिजिटल निगरानी भी स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए गंभीर चुनौती बनकर उभरी है। पत्रकारों के फोन, डिजिटल उपकरणों और संचार माध्यमों की निगरानी की आशंकाएं स्रोतों की गोपनीयता को खतरे में डालती हैं। खोजी पत्रकारिता में सूचना देने वाले व्यक्ति कई बार भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अनियमितताओं या संवेदनशील मामलों से जुड़े तथ्य सामने लाते हैं। यदि उन्हें यह भय हो कि उनकी पहचान उजागर हो सकती है, तो वे सामने आने से बचेंगे। परिणामस्वरूप कई महत्वपूर्ण खबरें सार्वजनिक होने से पहले ही दम तोड़ सकती हैं। पेगासस से जुड़ा विवाद और 2021 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस विषय पर गठित जांच व्यवस्था ने निगरानी, निजता और पत्रकारिता की स्वतंत्रता के प्रश्न को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया। स्रोतों की सुरक्षा पत्रकारिता की तकनीकी आवश्यकता ही नहीं, लोकतांत्रिक विश्वास की बुनियादी शर्त है।

इंटरनेट बंद करना, डिजिटल सामग्री पर प्रतिबंध लगाना और सूचना के प्रवाह को बाधित करना भी पत्रकारिता की कार्यक्षमता को प्रभावित करता है। अनुराधा भसीन बनाम भारत संघ (2020) में सर्वोच्च न्यायालय ने इंटरनेट प्रतिबंधों की समीक्षा और आनुपातिकता के सिद्धांत पर बल दिया। डिजिटल माध्यम आज समाचार संकलन, प्रसारण, संवाद और जनसंपर्क का प्रमुख साधन है। इंटरनेट बाधित होने पर केवल नागरिकों की अभिव्यक्ति प्रभावित नहीं होती, बल्कि पत्रकारों की रिपोर्टिंग, समाचारों की पहुंच और सार्वजनिक विमर्श भी बाधित होते हैं। सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के नाम पर प्रतिबंधों का औचित्य हो सकता है, लेकिन उनका अनिश्चितकालीन, व्यापक और अपारदर्शी उपयोग लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर कर सकता है।

इसके अतिरिक्त डिजिटल पत्रकारिता आर्थिक संकट से भी जूझ रही है। विज्ञापन का बड़ा हिस्सा तकनीकी प्लेटफॉर्मों के पास जा रहा है, जबकि समाचार संस्थानों की आय घट रही है। सोशल मीडिया के एल्गोरिदम तय करते हैं कि कौन–सी खबर अधिक लोगों तक पहुंचेगी और कौन–सी खबर दृश्यता से बाहर रह जाएगी। सनसनीखेज सामग्री, भावनात्मक प्रतिक्रियाएं और विवाद अक्सर गंभीर पत्रकारिता से अधिक प्रसारित होते हैं। इस व्यवस्था में पत्रकार के सामने दोहरा संकट है, एक ओर विश्वसनीय खबर तैयार करने का दायित्व, दूसरी ओर डिजिटल प्रतिस्पर्धा में टिके रहने का दबाव। जब पत्रकारिता की आर्थिक स्वतंत्रता कमजोर होती है, तो संपादकीय स्वतंत्रता पर भी खतरा बढ़ता है। विज्ञापनदाता, राजनीतिक हित और प्लेटफॉर्मों की प्राथमिकताएं समाचारों की दिशा प्रभावित करने लगती हैं।

भाजपा की रणनीति और चुनौती



—संजय सक्सेना—

उत्तर प्रदेश में अगले साल फरवरी–मार्च में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी ने अपनी चुनावी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। 2024 के लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश के भीतर पार्टी को जो झटका लगा था, उससे सबक लेते हुए भाजपा नेतृत्व अब किसी भी तरह की ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है। इसी कड़ी में पार्टी ने एक बेहद महत्वपूर्ण और व्यापक रणनीति तैयार की है, जिसके तहत संगठन के वरिष्ठ नेता राज्य के हर जिले में जाकर सीधे जमीनी कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे और उनकी बात सुनेंगे। इस पूरी कवायद का मकसद न केवल कार्यकर्ताओं की नाराजगी को दूर करना है, बल्कि चुनाव से पहले पहले संगठन की कमजोर कड़ियों की पहचान कर उन्हें दुरुस्त करना भी है। पार्टी की इस नई रणनीति के केंद्र में राज्य के सभी जिलों का दौरा है। यूपी भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े, सह–प्रभारी मेधा कुलकर्णी, जगदीश पटेल, प्रदीप वर्मा, अनंत ओझा और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व में वरिष्ठ नेताओं की अलग–अलग टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश के हर जिले में प्रवास करेंगी। इस दौरान ये नेता स्थानीय पदाधिकारियों, बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं और आम लोगों से मुलाकात करेंगे। इसका सीधा उद्देश्य यह समझना है कि जमीनी स्तर पर सरकार की योजनाओं का क्या असर हो रहा है, कार्यकर्ताओं के मन में किस बात को लेकर असंतोष है और संगठन में कहां सुधार की गुंजाइश है।

इस व्यापक अभियान की नींव हाल ही में मथुरा में आयोजित दो दिवसीय चिंतन बैठक में रखी गई थी। इस महत्वपूर्ण बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष सहित पार्टी के करीब 50 प्रमुख नेताओं ने हिस्सा लिया। हालांकि, इस बैठक के दौरान पार्टी के भीतर के कुछ पुराने समीकरण भी चर्चा में रहे। राज्य के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कलराज मिश्र, विनय कटियार और ओम प्रकाश सिंह जैसे वरिष्ठ नेता इस बैठक में शामिल नहीं हुए थे। विनय कटियार ने तो यहां तक कहा कि उन्हें इस बैठक के बारे में कोई सूचना ही नहीं दी गई थी, जो यह दर्शाता है कि पार्टी को अभी भी अपने वरिष्ठ नेताओं के बीच समन्वय बनाने के लिए काफी काम करना होगा। बैठकों के इस दौर में सरकार और संगठन के बीच संवादहीनता का मुद्दा भी खुलकर सामने आया। मथुरा की चिंतन बैठक में बी.एल. संतोष ने सभी नेताओं से सीधे पूछा कि साल 2017 में राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद से ऐसे कितने लोग हैं, जो अब तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से व्यक्तिगत रूप से नहीं मिल पाए हैं। इस सवाल पर पुष्कर मिश्रा, रंजना उपाध्याय और त्र्यंबक त्रिपाठी जैसे नेताओं ने हाथ उठाए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बैठक समाप्त होने के तुरंत बाद इन नेताओं की मुख्यमंत्री से व्यक्तिगत मुलाकात करवाई गई। इससे पहले गोरखपुर में हुई एक अन्य बैठक में भी जमीनी हकीकत सामने आई थी, जब सह–प्रभारी जगदीश पटेल ने अपने बुंदेलखंड दौरे का अनुभव साझा किया था। उन्होंने बताया था कि ग्रामीणों ने हर घर जल योजना को लेकर गंभीर शिकायतें की हैं, जिस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल जांच के आदेश देने की बात कही थी। मथुरा बैठक के तुरंत बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली जाकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नितिन नवीन और बी.एल. संतोष के साथ भी लंबी मंत्रणा की, क्योंकि अमित शाह व्यस्तता के कारण मथुरा की बैठक में शामिल नहीं हो सके थे।

अगर इस पूरी रणनीति का राजनीतिक और संगठनात्मक दृष्टिकोण से विश्लेषण किया जाए, तो कई महत्वपूर्ण पहलू उभरकर सामने आते हैं।

सपा सनातन विरोधी, अखिलेश यादव कान पकड़कर माफी मांगें –ब्रजेश पाठक



संवाददाता–गोण्डा। जिले के जयप्रभा ग्राम में चल रही राजन महाराज की श्रीराम कथा में शामिल होने के लिए उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मंगलवार दोपहर करीब 2:30 बजे जयप्रभा ग्राम के जानकीनगर पोखरा स्थित हेलीपैड पर पहुंचे। कार्यक्रम के आयोजक महंत आलोक दास जी महाराज ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद ब्रजेश पाठक श्री श्यामा–श्याम जी गौशाला पहुंचे, जहां उन्होंने गायों को गुड़ खिलाया और उनका आशीर्वाद लिया।

इस दौरान उन्होंने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के 12 दिसंबर को प्रस्तावित अयोध्या दौरे को लेकर निशाना साधा। ब्रजेश पाठक ने कहा– समाजवादी पार्टी सनातन संस्कृति की घोर विरोधी पार्टी है। वह तुष्टीकरण की राजनीति करती रही है और आज भी कर रही है। चाहे अयोध्या जाएं, चाहे कृष्ण जन्मभूमि जाएं या काशी विश्वनाथ जाएं, लेकिन उन्हें यह स्पष्ट करना पड़ेगा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में कारसेवकों पर जो गोलियां चली थीं, उसके लिए माफी कब मांगेंगे। मैंने बार–बार यह बात कही है।

उन्होंने कहा कि वास्तव में समाजवादी पार्टी यदि अपने चरित्र में परिवर्तन ला रही है और प्रभु राम की शरण में जाना चाहती है, तो सनातन संस्कृति का यह स्वभाव और हमारी परंपरा है कि हम सबको स्वीकार करते हैं और गलतियों को माफ करते हैं। प्रभु श्रीराम की शरण में जो भी आया है, प्रभु ने उसे अपनाया है।

वे कान पकड़कर प्रभु श्रीरामलला के दरबार में माफी मांगें और कहें कि समाजवादी पार्टी की सरकारों में सनातन संस्कृति के खिलाफ जो काम हुए हैं, उनके लिए हम क्षमा मांगते हैं। प्रदेश में जो दंगे हुए, उनमें सनातन संस्कृति की हिंदू बेटियों के साथ जो अत्याचार हुआ, उसके लिए हम माफी मांगते हैं। दंगों में जिन भोले–भाले लोगों की जान गई, उसके लिए और कारसेवकों पर जो गोलियां चली थीं, उसके लिए भी माफी मांगें। मुझे लगता है कि समाजवादी पार्टी केवल बहुरूपिया रूप धारण करके वोट हासिल करने के लिए तरह–तरह के असफल प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पूरा प्रदेश जानता है कि समाजवादी पार्टी गुंडों को प्रश्रय देती है और उन्हें आगे बढ़ाती है। समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश को गुंडा स्टेट और अराजक प्रदेश बनाने का काम किया था। आज उत्तर प्रदेश में एक भी गुंडा–माफिया नहीं है। सब जेल में सड़ रहे हैं या अपने ठिकाने लग गए हैं। प्रदेश पूरी तरह प्रगति के पथ पर अग्रसर है। आजम खान के बयान हम निपट लेंगे पर पलटवार करते हुए ब्रजेश पाठक ने कहा कि आजम खान हों या ओवैसी, अब उत्तर प्रदेश में इनकी दाल गलने वाली नहीं है। उत्तर प्रदेश बदल चुका है। उत्तर प्रदेश आगे निकल चुका है। उसने रफ्तार पकड़ ली है और विकास की गति पकड़ चुका है। बाबा रामदेव द्वारा धीरेंद्र शास्त्री को लेकर दिए गए बयान पर सीधे जवाब देने के बजाय उन्होंने राजनीतिक मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा, ध्येयिए, आप अच्छी तरह समझते हैं कि उत्तर प्रदेश जिस ढंग से बदला है, आज समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के इंडी गठबंधन के लोग जिस तरह गलबहियां डालकर चुनाव लड़ने का असफल प्रयास कर रहे हैं, वे प्रदेश में कभी सफल नहीं होंगे। तीसरी बार फिर प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी। सीएमओ पर लगे गंभीर आरोपों को लेकर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मामले में सख्त कार्रवाई होगी। जो भी दोषी होगा, उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी।

गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर गूंजे शबद–कीर्तन, उमड़ा श्रद्धा का आस्था



संवाददाता–बलरामपुर। सिख धर्म के प्रथम गुरु एवं संस्थापक श्री गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व जिले भर में श्रद्धा, उल्लास और सेवा भाव के साथ मनाया गया। बलरामपुर, उतरौला और तुलसीपुर स्थित गुरुद्वारों में धार्मिक कार्यक्रमों के बीच शबद–कीर्तन, अरदास और गुरु के अटूट लंगर का आयोजन हुआ। गुरुद्वारों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। संगत ने गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेककर सुख–समृद्धि की कामना की। इस दौरान गुरु नानक देव जी के प्रेम, समानता, भाईचारे और मानवता के संदेश को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया। बलरामपुर स्थित गुरुद्वारा साहिब में 22 नवंबर को शुरू हुए श्री अखंड पाठ साहिब की मंगलवार को विधिवत समाप्ति हुई। इसके बाद ज्ञानी रविन्द्र सिंह ने गुरु नानक देव जी के जीवन दर्शन, उपदेशों और मानवता के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने शबद–कीर्तन प्रस्तुत कर संगत को निहाल किया। अरदास के बाद गुरु का अटूट लंगर वितरित किया गया। आयोजन में सरदार नरेंद्र सिंह, देवेंद्र पाल सिंह, अमरजीत सिंह, प्रीतपाल सिंह, महेंद्र पाल सिंह, समपीत सिंह, गुरुदीप सिंह, जसप्रीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सरवन सिंह और पवित्र पाल सिंह सहित अन्य लोगों ने सेवा की। वहीं उतरौला स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा में प्रकाशोत्सव पर गुरुद्वारे को फूलों और रोशनी से सजाया गया। सुबह से श्रद्धालुओं ने मत्था टेककर अरदास की। रागी जत्थे ने शबद–कीर्तन के माध्यम से गुरु की शिक्षाओं का संदेश दिया। इसके बाद आयोजित लंगर में सभी धर्मों के लोगों ने एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। सेवादार बलवान सिंह ने बताया कि प्रकाशोत्सव पर प्रभातफेरी, पाठ और कीर्तन दरबार का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर सरदार दलबीर सिंह, गुरुविंदर सिंह, भूपेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। इसी तरह तुलसीपुर स्थित गुरुद्वारे में भी विशाल लंगर का आयोजन हुआ। विधायक कैलाश नाथ शुक्ला ने मत्था टेककर क्षेत्र की सुख–समृद्धि की कामना की और श्रद्धालुओं के साथ पंगत में बैठकर लंगर छका। भाजपा नेता विष्णु देव कसौधन, दिलीप कुमार कसौधन, अनिल कुमार लाठ, मंडल अध्यक्ष विश्राम सिंह तथा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सरदार मंगी सिंह, सुरेंद्र सिंह, प्रिंस, बबलू, गुरविंदर सिंह, गुरमुख सिंह और अजय सेठी सहित अन्य लोगों ने सेवा में सहभागिता की।

ग्राम पंचायत माधवपुर में 27 नवंबर को सीएम योगी पहुंचेंगे, बांटेंगे टैबलेट

संवाददाता–गोंडा। जिले में सीएम योगी आदित्यनाथ के दौरे का कार्यक्रम तय हो गया। बेलसर ब्लॉक की न्याय पंचायत माधवपुर के ग्राम पंचायत ठडक्कीपट्टी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित आगमन को लेकर प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। 27 नवंबर को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए मंगलवार सुबह से ही गांव में अधिकारियों और कर्मचारियों का जमावड़ा लगा रहा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर अफसरों ने मोर्चा संभाल लिया है। भूमि के सीमांकन से लेकर जरूरी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की कवायद शुरू कर दी गई है। सीएम योगी के कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। योगी मेधाविनों को टैबलेट वितरित करेंगे। मंगलवार सुबह एडीएम प्रमोद झा, सीओरओ रिंकी जायसवाल, एसडीएम सदर जितेंद्र वर्मा और एसडीएम तरबगंज सविता शुक्ला समेत अन्य अधिकारी गांव पहुंचे। अधिकारियों ने प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। कानूनगो और लेखपालों को भूमि का सीमांकन कर चिह्नित करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए स्थल की उपलब्धता और व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया।

ईंट–भट्ठा के पास पानी भरे गड्ढे में मिला मजदूर का शव



संवाददाता–श्रावस्ती। मंगलवार सुबह मजदूर का शव पानी से भरे गड्ढे में उतराता मिला। संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। घटना हरदत्तनगर गिरंट थाना क्षेत्र के महरू मूर्तिहा स्थित ईंट भट्ठे के पास की है। मृतक की पहचान ग्राम पंचायत गौसपुर के मजरा बनकटी निवासी बसावन श्रीवास्तव (45) के रूप में हुई है। वह पिछले तीन वर्षों से एमके ब्रिक फील्ड पर रहकर मजदूरी करते थे। मंगलवार सुबह उनका शव भट्ठे के ईंट पथाई फड़ के पास पंपिंग सेट के पानी से भरे गड्ढे में उतराता मिला। अन्य मजदूरों ने शव देखकर इसकी सूचना परिजनों को दी। खबर मिलते ही रोते–बिलखते परिजन मौके पर पहुंच गए।

शव मिलने के बाद क्षेत्र में तरह–तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कुछ लोग पानी में डूबने से मौत होने की आशंका जता रहे हैं, जबकि कुछ ग्रामीणों का कहना है कि गड्ढे की गहराई कम होने के कारण मामला संदिग्ध है। ऐसे में हत्या की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि, मौत की असली वजह अभी स्पष्ट नहीं है। सीओ आलोक सिंह ने बताया कि थाना प्रभारी और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच की है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, समय से पूरी हों योजनाएं –प्रभारी मंत्री



संवाददाता–बलरामपुर। विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समय से दिलाने के साथ निर्माण कार्यों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा कराया जाए। यह निर्देश मंगलवार को जिले के प्रभारी मंत्री एवं राज्यमंत्री खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति विभाग सतीश चन्द्र शर्मा ने जनपदीय समन्वय समिति की बैठक में दिए। बैठक में प्रभारी मंत्री ने विभिन्न विभागों के कार्यों और शासन की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाएं।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता न हो और सभी परियोजनाएं तय समय में पूरी की जाएं। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्रों की विकास संबंधी जरूरतों, आधारभूत सुविधाओं और जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

प्रभारी मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, विधायक पल्टूराम, कैलाश नाथ शुक्ल, राम प्रताप वर्मा, पूर्व विधायक शैलेश कुमार सिंह शैलू, नपाप अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, डीएम डॉ. विपिन कुमार जैन, एसपी मार्तंड प्रकाश सिंह, सीडीओ हिमांशु गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पशु चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा,। मोतीगंज व एसओजी टीम ने पशु चोरी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर चोरी की दो भैंसे व एक पंडिया के साथ ही चोरी में प्रयोग की जाने वाली बाइक भी बरामद की है । पुलिस इस गिरोह के अन्य सदस्यों की भी कुंडली खंगालने में जुटी हुई है। पुलिस ने बताया कि थाना मोतीगंज पुलिस, एसओजी एवं सर्विलांस की संयुक्त टीम सोमवार रात क्षेत्र में भ्रमण व संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर खास से सूचना मिली कि थाना मोतीगंज एवं आसपास के थाना क्षेत्रों में पशु चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले गिरोह के कुछ सदस्य मोटरसाइकिल से गोविन्दपारा के आसपास रेकी कर रहे हैं। सूचना पर संयुक्त पुलिस टीम ने गोविन्दपारा मोड़ के पास घेराबंदी कर संदिग्ध मोटरसाइकिल सवारों को रोककर पकड़ लिया । पकड़े गये आरोपियों की निशानदेही पर थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के बस्ती इमामबाड़ा में छिपाकर बांधी गई चोरी की 03 भैंसें (02 भैंस व 01 पड़िया) बरामद की गईं। पुलिस टीम ने मौके से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी



बरामद कर ली ।

आरोपियों से पूछताछ करने पर उनके द्वारा बताया गया कि वे सभी एक गिरोह बनाकर पशु चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। गिरोह के सदस्य दिन के समय गांवों में घूमकर ऐसे स्थानों की रेकी करते थे, जहां लोग अपने दुधारू पशुओं को घरों के बाहर बांधकर रखते थे। इसके बाद रात्रि में मौका पाकर भैंस एवं अन्य पशुओं को चोरी कर सुनसान स्थानों पर छिपाकर रखते थे। पर्याप्त संख्या में पशु एकत्र हो जाने पर उन्हें दूर–दराज के पशु बाजारों में ले जाकर बेच देते थे तथा बिक्री से प्राप्त धनराशि आपस में बांट लेते थे। पूछताछ में बताया कि 04 जनवरी को ग्राम दर्जीकुआं दौलतपुर ब्राह्मणपुरवा से एक पड़िया व एक पड़वा, दिनांक 15 नवंबर की रात्रि ग्राम कोयली जंगल थाना कोतवाली देहात से एक भैंस व एक पड़िया तथा दिनांक 22 नवंबर की रात्रि ग्राम बिरवा बभनी से एक भैंस व एक पड़िया चोरी करने की घटनाओं को अंजाम दिया है।

सज्जाद पुत्र गुलाम अब्बास निवासी बस्ती पटेलनगर, थाना कोतवाली नगर, जुबेर पुत्र हैदर अली निवासी पटेलनगर, थाना कोतवाली नगर व शालू पुत्र निसार अहमद निवासी इमामबाड़ा, थाना कोतवाली नगर । वहीं गिरफ्तारी में थानाध्यक्ष गौरव सिंह तोमर मय टीम, थाना मोतीगंज, प्रभारी एसओजी आशुतोष सिंह मय टीम, प्रभारी सर्विलांस मनीष कुमार मय टीम व दरोगा सुमित कुमार सिंह, चौकी प्रभारी कहौबा, थाना मोतीगंज की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्तिक पूर्णिमा पर अयोध्या से 84 कोसी परिक्रमा का शुभारंभ, 500 संत–श्रद्धालु हुए शामिल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। धर्मनगरी अयोध्या में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगलवार को 84 कोसी परिक्रमा का विधिवत शुभारंभ हुआ। श्री चित्रकूट 84 कोसी परिक्रमा समिति के तत्वावधान में वैद्य जी मंदिर परिसर से महंत गोविंद दास महाराज के नेतृत्व में करीब 500 से अधिक संतों एवं श्रद्धालुओं का जत्था जय श्रीराम के जयघोष के बीच मखौड़ा धाम के लिए रवाना हुआ। परिक्रमा के शुभारंभ से धर्मनगरी में भक्ति और आस्था का वातावरण दिखाई दिया।इस अवसर पर वैद्य जी मंदिर के महंत राजेंद्र दास महाराज ने परिक्रमा दल का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। उन्होंने श्रद्धालुओं को मंगलमय यात्रा का आशीर्वाद देते हुए मखौड़ा धाम के लिए रवाना किया। वहीं महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने भी परिक्रमा दल का स्वागत किया।

महंत राजेंद्र दास महाराज ने कहा कि अयोध्या धाम की परिक्रमा का अपना विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। हालांकि इसकी यात्रा वर्ष में कभी भी की जा सकती है, लेकिन कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर इसका शुभारंभ विशेष पुण्यदायी माना जाता है। उन्होंने बताया कि महंत गोविंद दास महाराज के नेतृत्व में निकली यह परिक्रमा विभिन्न धार्मिक एवं



महंत गोविंद दास के नेतृत्व में शरद ऋतु में निकली परिक्रमा, 16 दिसंबर को अयोध्या लौटेगा जत्था

पौराणिक स्थलों पर पड़ाव करते हुए 16 दिसंबर को पुनः अयोध्या धाम पहुंचेगी। वापसी पर वैद्य जी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया जाएगा।परिक्रमा के संचालक महंत गोविंद दास महाराज ने बताया कि श्री वैद्य जी मंदिर से श्री चित्रकूट 84 कोसी परिक्रमा समिति के तत्वावधान में प्रारंभ हुई इस धार्मिक यात्रा का यह तीसरा वर्ष है। परिक्रमा की परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष इसमें अधिकाधिक संतों और श्रद्धालुओं की सहभागिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।उन्होंने बताया कि इस वर्ष देश के विभिन्न क्षेत्रों से करीब 500 संत एवं भक्तजन परिक्रमा में सम्मिलित हुए हैं। शरद ऋतु में परिक्रमा आयोजित करने का उद्देश्य श्रद्धालुओं को अनुकूल मौसम में यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराना है। इस मौसम में गर्मी से राहत मिलने के साथ ही मौसमी बीमारियों और मच्छरों का प्रकोप भी अपेक्षाकृत कम रहता है।परिक्रमा दल बुधवार को मखौड़ा धाम पहुंचेगा, जहां विधि–विधान से पूजन–अर्चन के बाद श्रद्धालु विश्राम करेंगे। इसके बाद यात्रा रामरेखा हनुमान बाग, श्रृंगी ऋषि आश्रम और बाराही देवी सहित विभिन्न पौराणिक एवं धार्मिक स्थलों से होकर आगे बढ़ेगी। आस्था, श्रद्धा और सनातन परंपरा से जुड़ी यह परिक्रमा आगामी 16 दिसंबर को अयोध्या धाम में संपन्न होगी।

पुराने चुनावी इनपुट को वर्तमान हालात से मिलाकर करें वल्नरेबिलिटी मैपिंग –डीएम



संवाददाता–महराजगंज। विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2027 की तैयारियों को लेकर कलक्ट्रेट सभागार में कार्यशाला हुई। डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने अधिकारियों को अपने–अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं व संवेदनशीलता का बारीकी से जायजा लेने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुराने चुनावों में तैयार किए गए इनपुट को वर्तमान परिस्थितियों से मिलाकर देखें। मतदान केंद्रों पर जरूरी सुविधाओं की कमी पहले से चिह्नित कर संबंधित विभागों से समन्वय बनाकर उसे दूर कराएं। निर्वाचन की संवेदनशीलता को देखते हुए किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने सेक्टर अधिकारियों को समय से रूट चार्ट तैयार करने व चेकलिस्ट के अनुसार न्यूनतम आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कहा कि एसडीएम व सीओ संयुक्त बैठक कर वल्नरेबिलिटी मैपिंग की समीक्षा करें। मतदान केंद्रों का संयुक्त भ्रमण कर बिजली, पानी, शौचालय, सड़क और पहुंच मार्ग सहित मूलभूत सुविधाओं की स्थिति परखें। संवेदनशील क्षेत्रों का सत्यापन कर आवश्यक सूचनाएं जुटाएं। संबंधित विभागों के अधिकारियों के मोबाइल नंबर भी अपने पास रखें, ताकि कमी मिलने पर तत्काल सूचना देकर व्यवस्था दुरुस्त कराई जा सके। सेक्टर अधिकारियों के लिए वाहनों की व्यवस्था करने का निर्देश सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को दिया।

एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने सेक्टर पुलिस अधिकारियों, सीओ व थानाध्यक्षों को क्षेत्र में सक्रिय रहने का निर्देश दिया। कहा कि पिछले चुनाव के पुराने इनपुट को मौजूदा हालात से मिलाकर समीक्षा करें। थानाध्यक्ष बूथों का भ्रमण कर वल्नरेबिलिटी व एएमएफ की रिपोर्ट दें। एसएसटी व एफएसटी की तैनाती के संभावित स्थलों की सूची भी तैयार करें। एडीएम वित्त एवं राजस्व डॉ. प्रशांत कुमार ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुरूप चुनाव पूर्व की कार्रवाई पूरी करने को कहा। एसपी ने कहा कि चुनाव के दौरान छोटी घटना भी बड़ी समस्या बन सकती है। इसलिए सेक्टर अधिकारी मतदान केंद्रों के आसपास रहने वाले लोगों से लगातार संपर्क रखें। ऐसा सूचना तंत्र विकसित करें, जिससे किसी विवाद या घटना की जानकारी समय से मिल सके।

सीडीओ महेन्द्र कुमार सिंह ने आदर्श आचार संहिता के अनुपालन, शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई, मतदान दलों के डिस्पैच व मतदान के बाद निर्वाचन सामग्री व अभिलेख सुरक्षित जमा कराने की जिम्मेदारी भी समझाई। ईवीएम, वीवीपैट, मॉक पोल और मशीनों के सुरक्षित परिवहन की प्रक्रिया बताई गई। खराबी आने पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत कंट्रोल यूनिट या वीवीपैट बदलने, मशीन सील करने और उसका रिकॉर्ड रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में एएसपी सिद्धार्थ, सभी विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, पुलिस अधिकारी समेत कर्मचारी मौजूद रहे।

कार्तिक पूर्णिमा पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी



संवाददाता–बहराइच। स्नान, ध्यान और दान के पर्व कार्तिक पूर्णिमा को लेकर मंगलवार को जिले में उत्सव का माहौल रहा। भोर होते ही नदियों के घाटों पर लगे मेले में आस्था का जनसैलाब देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने नदियों में स्नान कर पूजा–अर्चना की। इसके बाद श्रद्धालुओं ने दान–दक्षिणा देकर पुण्य भी कमाया।

श्रीमरीमाता मंदिर परिसर स्थित सरयू तट पर भोर होते ही श्रद्धालु पूजन–अर्चन के लिए पहुंचने लगे। घाट पर दीप प्रज्ज्वलित कर पूजा–अर्चना की। इसके बाद भगवान सूर्य की उपासना कर अर्घ्य दिया। मेले में बच्चों ने जलेबी खाते हुए आनंदित दिखे। महिलाओं ने मेले में जमकर खरीदारी की।

कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगलवार को कैसरगंज तहसील क्षेत्र के विभिन्न घाटों पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। कटका, भगडवा और भंगहा घाट पर सुबह से ही स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही।

इलाके के भंगहा घाट, जगतापुर घाट, महादेवा घाट ,भगडवा घाट, सिरौलाघाट,लक्ष्मनाघाट घाट सहित अन्य घाटों पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने स्नान किया। दोपहर बाद प्रेमी दास कुट्टी में लगने वाले कार्तिक पूर्णिमा मेला हजारों लोगों ने खरीदारी की।

भारत–नेपाल के हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। नेपाल के गंगापुर, खड़ैचा, पिपरहवा,वीरता, नेपालगंज, भारतीय क्षेत्र के होलिया, जानकी गांव, मजगवा, भंगहर,जमदान, छोटिया गांव, आदि क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु सुबह ही घाटों पर श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई।

खस्ताहाल बसों के खिलाफ रोडवेज कर्मियों का कार्य बहिष्कार

संवाददाता–बलरामपुर। रोडवेज बसों की बदहाल स्थिति और जरूरी संसाधनों के अभाव को लेकर मंगलवार को चालक–परिचालकों का आक्रोश फूट पड़ा। नाराज कर्मचारियों ने करीब एक घंटे तक कार्य बहिष्कार कर बसों का संचालन रोक दिया। कर्मियों के कार्य बहिष्कार करने के चलते रोडवेज पर पहुंचने वाले यात्रियों को खासा परेशानी उठानी पड़ी।

रोडवेज कर्मचारियों ने बताया कि कई बसों में शीशे, टायर, बैटरी और फॉग लैंप जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। सर्दी और कोहरे के दौरान ऐसी बसों को सड़क पर चलाना यात्रियों और कर्मचारियों दोनों की सुरक्षा के लिए खतरा है। वहीं यहां बने वर्कशाप में कार्यरत 78 कर्मचारियों के लिए शुद्ध पेयजल तक की व्यवस्था नहीं है।

सूचना पर कार्यदायी संस्था श्याम श्याम सर्विस सेंटर के अधिकारी शैलेंद्र प्रताप सिंह, राधेश्याम मौर्य और एचआर अमन पहुंचे। कर्मचारियों ने उनके सामने समस्याएं रखकर जल्द समाधान की मांग की। एआरएम गोपीनाथ दीक्षित ने बताया कि संस्था के अधिकारियों ने समस्याओं के निस्तारण का भरोसा दिया है।

देव दीपावली पर नौ वर्ष से चल रहे धार्मिक महाअनुष्ठान की पूर्णाहुति



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। देव दीपावली के पावन अवसर पर अभिजीत मुहूर्त में वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमित्त संचालित धार्मिक महाअनुष्ठान की पूर्णाहुति के साथ समापन किया गया। अनुष्ठान के संयोजक एवं रामादल के अध्यक्ष पंडित कल्कि राम ने बताया कि देश की परिस्थितियों और तत्कालीन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2014 में इस धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ किया गया था।उन्होंने बताया कि इस महाअनुष्ठान की प्रेरणा इंदौर निवासी मां काली के सिद्ध साधक एवं प्रधानमंत्री के शुभचिंतक स्वर्गीय उदय सिंह देशमुख उर्फ भय्यूजी महाराज ने दी थी। अनुष्ठान के संचालन में श्रीराम जन्मभूमि के तत्कालीन मुख्य पुजारी स्वर्गीय सत्येंद्र दास का आध्यात्मिक सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा। दोनों महान विभूतियां आज भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका मार्गदर्शन और योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।पंडित कल्कि राम ने बताया कि अनुष्ठान के प्रति सत्येंद्र दास की विशेष आस्था थी। वर्ष 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्रीरामलला के दर्शन के लिए अयोध्या आगमन के दौरान उन्होंने इस अनुष्ठान की चर्चा भी प्रधानमंत्री से की थी।

हालांकि प्रधानमंत्री की ओर से इस विषय पर कोई विशेष प्रतिक्रिया नहीं मिली, लेकिन अनुष्ठान निरंतर जारी रहा।उन्होंने कहा कि धार्मिक कर्मकांड से प्राप्त आजीविका के माध्यम से इस महाअभियान का संचालन किया गया। उनके अनुसार, जिस उद्देश्य और संकल्प के साथ वर्ष 2014 में अनुष्ठान शुरू किया था, उसे पूर्ण मानते हुए देव दीपावली पर विधि–विधान से पूर्णाहुति की गई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगलमय जीवन की कामना की गई।

2024 में भगवान राम का आशीर्वाद मिला था, 2027 में भी मिलेगा –शिवपाल यादव



संवाददाता–अयोध्या। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने कहा कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर पहलवानों, लोकगीत गायकों, कलाकारों, कवियों और साहित्यकारों को सम्मानित किया जाएगा। उनकी सरकार में पहलवानों और प्रतिभाशाली कलाकारों को यश भारती सम्मान के साथ नौकरी भी मिलती थी, लेकिन पिछले दस वर्षों में किसी को ऐसा सम्मान नहीं मिला। अबकी सरकार बनने पर जिला और तहसील स्तर के पहलवानों को भी सम्मान मिलेगा, जबकि राज्य और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को उसी स्तर की नौकरी दी जाएगी।

उन्होंने हर गांव में खेल का स्टेडियम बनाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि आज भगवान राम ने बुलाया है। 2024 में भी भगवान राम का आशीर्वाद मिला था और सपा अयोध्या की सीट जीती थी। 2027 में भी आशीर्वाद मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव में अयोध्या की पांचों समेत प्रदेश की सभी सीटों पर सपा जीत दर्ज करेगी।

इसके पहले, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा था कि 2027 में सपा सरकार बनने पर यश भारती सम्मान फिर से शुरू किया जाएगा। इसके तहत एक लाख रुपये मासिक सम्मान राशि दी जाएगी। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सपा अपने घोषणापत्र को 26 नवंबर को संविधान दिवस पर जारी करेगी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक घोषणापत्र में महिलाओं, युवाओं और आरक्षण पर विशेष फोकस रहेगा। बीते दिनों सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संगठन को एकजुट करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नाराज होकर दूर गए पुराने साथियों और नेताओं को मनाकर दोबारा साथ लाया जाएगा। जो किसी कारण संगठन से छूट गए हैं, उन्हें भी बुलाया जाएगा।

पूर्व सांसद पर शादी का झांसा देकर रेप का आरोप

संवाददाता–गोरखपुर।। पूर्व सांसद पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर रेप और शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया है। युवती तारामंडल क्षेत्र की एक फाइनेंस कंपनी में मैनेजर है। उसने पूर्व सांसद पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। युवती रामगढ़ताल थाने पहुंची और कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा किया। उसने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि पूर्व सांसद उसे होटल ले गए थे और मंदिर में शादी करने का नाटक भी किया था। मामले में एसएसपी ने सीओ कैंट की निगरानी में रामगढ़ताल पुलिस को जांच सौंपी है। पुलिस युवती के मोबाइल में मौजूद तस्वीरों की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

युवती ने रामगढ़ताल थाने में दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि पूर्व जनप्रतिनिधि रहने के दौरान वह उसे अपने साथ बाहर ले गए थे। दोनों एक होटल में ठहरे थे। इस दौरान एक मंदिर में शादी करने का स्वांग भी रचा गया। युवती का आरोप है कि अब शादी की बात करने पर पूर्व सांसद टालमटोल कर रहे हैं। दबाव बनाने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। युवती का कहना है कि पूर्व सांसद ने उसका मोबाइल नंबर ब्लैकलिस्ट कर दिया है। उनके साथ रहने वाले लोगों से संपर्क करने पर भी बात नहीं कराई जा रही है। युवती ने आरोप लगाया कि अब उसे जान से मारने की धमकी मिल रही है। उसने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

युवती ने अपने मोबाइल में पूर्व जनप्रतिनिधि के साथ कई तस्वीरें दिखाईं। इनमें कथित शादी की तस्वीर भी शामिल है। पुलिस इन तस्वीरों की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने पूर्व सांसद से भी संपर्क किया। उन्होंने पार्टी के काम से बाहर होने की जानकारी दी है। सीओ कैंट अरुण यश ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। जांच के आधार पर ही कार्रवाई की जाएगी।

शिवपाल को किनारे लगाने में लगे हैं अखिलेश –ओपी राजभर

संवाददाता–अंबेडकरनगर। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच टिकट बंटवारे के लिए गठित पांच सदस्यीय पैनल में शिवपाल यादव का नाम शामिल नहीं किए जाने पर प्रदेश सरकार के पंचायती राज मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सपा पर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बच्चा चच्चा को बार–बार गच्चा दे रहा है। चाहे सीट बंटवारे की कमेटी का मामला हो या राममनोहर लोहिया ट्रस्ट का, हर जगह चाचा को किनारे किया जा रहा है और पार्टी भी इसे स्वीकार कर रही है। मंत्री ने मंगलवार को न्यू सर्किट हाउस में एक न्यूज एजेंसी से वार्ता करते हुए कहा कि मुलायम सिंह यादव के बाद अगर किसी दूसरे नेता ने समाजवादी पार्टी को ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है तो वह शिवपाल यादव हैं। इसके बावजूद अखिलेश यादव उन्हें किनारे लगाने में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ रहे हैं। सपा नेता आजम खां और एआइएमआइएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के बीच जारी बयानबाजी पर भी राजभर ने टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि आजम खां मुसलमानों को शिक्षा, रोजगार और नौकरी के क्षेत्र में आगे बढ़ते नहीं देखना चाहते, जबकि ओवैसी शिक्षा, रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य और अमन–चैन की बात कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि आजम खां मुसलमानों को नफरत की राजनीति के रास्ते पर रखना चाहते हैं। मंत्री ने कहा कि अब मुस्लिम समाज में भी यह भावना विकसित हो रही है कि भाजपा के खिलाफ सपा और कांग्रेस सहित अन्य दलों की ओर से फैलाया जाने वाला नफरत का संदेश वास्तविकता नहीं है।

भाजपा सबका साथ, सबका विकास की नीति पर काम करती है। सरकार की योजनाओं में बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों को बराबर लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग भी भाजपा का साथ देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अब मुस्लिम समाज को नफरत नहीं, बल्कि विकास और बेहतर भविष्य की राजनीति चाहिए।

पूर्व सांसद शरद कुमार त्रिपाठी का लाइसेंसी रिवॉल्वर चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। संतकबीरनगर के पूर्व सांसद स्वर्गीय शरद कुमार त्रिपाठी का लाइसेंसी .32 बोर का रिवॉल्वर उनके पैतृक आवास से गायब हो गया। काफी तलाश के बाद भी रिवॉल्वर का पता नहीं चलने पर उनके बड़े बेटे मृगेंद्र राम त्रिपाठी ने रविवार को खजनी थाने में तहरीर दी। पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध चोरी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने आशंका जताई है कि रिवॉल्वर किसी असामाजिक तत्व के हाथ लग गई तो उसका दुरुपयोग हो सकता है। झुड़िया गांव निवासी मृगेंद्र राम त्रिपाठी ने खजनी थाना पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह पूर्व सांसद शरद कुमार त्रिपाठी के वारिस हैं। उनके पिता के नाम जिलाधिकारी, गोरखपुर की ओर से .32 बोर की रिवॉल्वर का शस्त्र लाइसेंस जारी किया गया था। लाइसेंस पर रिवॉल्वर का नंबर एफजी–13966532 दर्ज है। पूर्व सांसद का निधन 30 जून, 2021 को हो गया था।

इसके बाद परिवार के सदस्यों ने उनके निजी सामान और जरूरी दस्तावेजों की छानबीन की तो शस्त्र लाइसेंस की मूल पुस्तिका मिल गई, लेकिन उस पर दर्ज रिवॉल्वर नहीं मिला। परिजनों ने रिवॉल्वर की तलाश घर, अलमारी और बैंक लाकर में की। पूर्व परिचित गन हाउस में भी पता लगाया, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। करीब चार साल तक तलाश के बाद भी रिवॉल्वर नहीं मिलने पर परिवार ने पुलिस से शिकायत की। तहरीर में आशंका जताई गई कि रिवॉल्वर किसी असामाजिक तत्व के हाथ लग सकती है और उसका इस्तेमाल किसी आपराधिक घटना में किया जा सकता है।

3 सीटों पर कांग्रेस के दावे से सपा में नाराजगी, सपा नेता बोले– पिछले चुनाव का प्रदर्शन देखकर करें मांग

संवाददाता–गोरखपुर। सपा और कांग्रेस के बीच विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू हो गई है। इससे पहले दोनों दलों के नेताओं की ओर से सीटों को लेकर दावे किए जाने लगे हैं। गोरखपुर में कांग्रेस चिल्लूपार, बांसगांव और गोरखपुर ग्रामीण सीट पर दावेदारी कर रही है। इस पर समाजवादी पार्टी के नेताओं ने आपत्ति जताती शुरू कर दी है। सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी कर कांग्रेस नेताओं को 2022 के विधानसभा चुनाव का प्रदर्शन याद दिलाया। उन्होंने कहा कि सीटों की मांग पिछले चुनाव में मिले वोटों के आधार पर करनी चाहिए। सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रहलाद यादव ने अपने फेसबुक पेज पर टिप्पणी करते हुए कांग्रेस नेताओं को नसीहत दी। उन्होंने गोरखपुर ग्रामीण, बांसगांव और चिल्लूपार सीट पर कांग्रेस प्रत्याशियों को मिले वोटों का जिक्र किया। प्रहलाद यादव के मुताबिक, 2022 के विधानसभा चुनाव में गोरखपुर ग्रामीण सीट से कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र निषाद महरा को 1,492 वोट मिले थे। यह कुल मतों का 0.59 प्रतिशत था। बांसगांव सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी पूनम को 2,050 वोट मिले थे। यह कुल मतों का 1.09 प्रतिशत था। वहीं, चिल्लूपार से कांग्रेस प्रत्याशी सोनिया को 1,378 वोट मिले थे। यह कुल पड़े मतों का 0.61 प्रतिशत था। सपा नेता ने कहा कि दोनों दलों के नेताओं को पिछले चुनाव के प्रदर्शन को ध्यान में रखकर सीट बंटवारे पर बात करनी चाहिए। उनका कहना है कि गठबंधन का मकसद उत्तर प्रदेश में भाजपा को हराना होना चाहिए। 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन नहीं था। दोनों दल 2024 के लोकसभा चुनाव में साथ आए थे। बांसगांव लोकसभा सीट कांग्रेस के खाते में गई थी। पार्टी ने पूर्व मंत्री सदल प्रसाद को प्रत्याशी बनाया था। सदल प्रसाद ने भाजपा के कमलेश पासवान को कड़ी टक्कर दी थी, लेकिन कम अंतर से चुनाव हार गए थे। इसी प्रदर्शन के आधार पर कांग्रेस इस बार बांसगांव विधानसभा सीट पर भी दावा कर रही है। सदल प्रसाद भी इस सीट से दावेदारी कर रहे हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने चिल्लूपार सीट को सपा की सीट माना है। ऐसे में गोरखपुर की तीन सीटों पर कांग्रेस की दावेदारी और सपा नेताओं की आपत्ति के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत अहम होगी।

श्रद्धालुओं ने कार्तिक पूर्णिमा पर लगायी आस्था की डुबकी

संवाददाता–अंबेडकरनगर। कार्तिक पूर्णिमा पर मंगलवार को श्रद्धालुओं ने पवित्र सरोवरों और सरयू नदी में स्नान कर पूजन–अर्चन किया। महरुआ के मंशापुर कुटी स्थित सरोवर में सर्दी के बावजूद सुबह छह बजे से ही श्रद्धालु जुटने लगे। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान सत्यनारायण की कथा सुनी और मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना की।

टांडा और आलापुर क्षेत्र में सरयू नदी के तटों पर सुबह पांच बजे से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया। टांडा के हनुमानगढ़ी घाट, राजघाट और महादेवा घाट पर मेले जैसा माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद सूर्य को अर्घ्य दिया और तट के मंदिरों में पूजन किया। महिलाओं ने घाट पर हलवा–पूड़ी बनाकर परंपरा के अनुसार मां सरयू को कढ़ाई चढ़ाई।

वहीं दूसरी ओर मंशापुर कुटी पर दो दिवसीय अंतरजनपदीय कार्तिक मेले का शुभारंभ हुआ। धार्मिक अनुष्ठान के साथ मुंडन संस्कार भी कराया गया। महिलाओं ने कढ़ाही चढ़ाई। महंत सुखराम दास की अगुवाई में साधु–संत भजन–कीर्तन करते रहे। घाट पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिसकर्मी तैनात रहे पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने भी घाट का निरीक्षण की।

तेज रफ्तार कार ने कबाड़ लदे ठेले में मारी टक्कर, पति की मौत, पत्नी गंभीर



संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा थाना क्षेत्र के देवीपुर गांव के पास मंगलवार अपराह्न तेज रफ्तार कार ने कबाड़ लदे ठेले में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में ठेला चला रहे व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौरीचौरा पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार, एम्स थाना क्षेत्र के नीना थापा निवासी बाबूहक (38) पुत्र ओहबली कबाड़ बीनने का काम करता था। मंगलवार को वह चौरीचौरा क्षेत्र से कबाड़ इकट्ठा कर अपनी पत्नी मोबिदा खातून (36) के साथ ठेले से गोरखपुर लौट रहा था। इसी दौरान देवीपुर गांव के पास पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने ठेले में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाबूहक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी चौरीचौरा पहुंचाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कोचिंग जाने के लिए निकले किशोर ने लगाई नदी में छलांग



संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के बिड़हर घाट पुल पर कोचिंग जाने निकला किशोर नदी में कूद गया। किशोर के नदी में कूदने से हड़कम्प मच गया। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने गोताखोरों की मदद से किशोर को नदी में तलाशा लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका। घटना से परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। कार्तिक पूर्णिमा के दिन मंगलवार को जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के बिहार घाट पर सुबह लगभग पौने सात बजे एक किशोर अपनी बाइक और मोबाइल को पुल पर छोड़कर अचानक से नदी में छलांग लगा दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने किशोर के नदी में कूदने की सूचना पुलिस चौकी बिड़हर घाट पर मौजूद पुलिस कर्मियों को दिया।

जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस और मौजूद ग्रामीणों ने नदी में कूदे किशोर को काफी तलाशा लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। सूचना मिलने के बाद थाना अध्यक्ष रितेश पांडे भी मौके पर तुरंत पहुंचे और स्थानीय गोताखोरों और मौके पर मौजूद पीएसी की फ्लड टीम के जवानों की मदद से डूबे किशोर का नदी में तलाश कराया लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। किशोर के नदी में कूदने से भारी भीड़ लगी रही। नदी में डूबे किशोर की पहचान कटका थाना क्षेत्र के पिंडोरिया गांव निवासी प्रभात उर्फ मौसम (17) पुत्र प्रदीप गिरी के रूप में हुई। प्रभात कक्षा 12 का छात्र है। मंगलवार सुबह लगभग साढ़े पांच बजे वह कोचिंग जाने के लिए घर से बाइक से निकला था। प्रभात के नदी में कूदने की सूचना मिलते ही परिवार के लोगों के पैरों तले जमीन खिसक गई। आनन–फानन में लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। प्रभात अपने माता–पिता की इकलौती संतान है। जहांगीरगंज थानाध्यक्ष रितेश पांडेय के मुताबिक नदी में गोताखोरों के माध्यम से किशोर की तलाश कराई जा रही है। घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। थाना अध्यक्ष रितेश पांडे ने बताया कि एसडीआरएफ की प्रतापगढ़ से टीम आ रही है जो नदी में डूबे किशोर की तलाश हेतु अभियान चलाएगी।

हाइटेंशन तार की चपेट में आने से युवक की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। गोला कस्बे के वार्ड संख्या 10 में चिल्ड्रेन पब्लिक स्कूल के पीछे मंगलवार सुबह हाइटेंशन तार की चपेट में आने से 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब युवक मकान की छत पर किसी काम से गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को पोस्टमार्टम की तैयारी में जुट गई। बाराबंकी जिले के बहरामघाट क्षेत्र के गणेशपुर निवासी दीपक अग्रवाल (28) पुत्र जगदीश अग्रवाल अपने मित्र अंकित तिवारी के यहां करीब एक सप्ताह पहले आया था। अंकित तिवारी ने गोला कस्बे के वार्ड संख्या 10 में मकान बनवाया है। आसपास के लोगों के मुताबिक मकान में अस्पताल भी संचालित होता है।

दीपक यहां अस्पताल का काम सीखने आया था। मंगलवार सुबह वह किसी काम से छत पर गया था। इसी दौरान मकान के बरामदे से कुछ दूरी पर गुजर रहे हाइटेंशन तार की चपेट में आ गया। करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दीपक दो भाइयों में बड़ा था और अभी उसकी शादी नहीं हुई थी।

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा क्लाइंट आधार हाऊसिंग फाइनेंस लि० शाखा बस्ती, ब्रान्च आफिस प्रथम तल, मकान संख्या – 1323, मोहल्ला – पिकौरा शिव गुलाम, कटेश्वर पार्क के पास गांधीनगर, बस्ती – 272001 की तरफ से सूचित किया जाता है। कि हरी प्रसाद यादव पुत्र राम केवल यादव, ग्राम – तुरकौलिया बरागाह, तुरकौलिया बस्ती, उ०प्र० – 272170 का एक पुराना बैनामा जो कि सुमित श्रीवास्तव पुत्र स्व० सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव दिनाँक 01–09–2015 बही सं०–1, जिल्द सं०–6542 पृष्ठ सं० – 61 से 88 पर क्रमांक नं० 5425 जो मूल प्रति गायब हो गया है। इसको बंधक रखने बैंक अथवा संस्था को प्रश्नगत सम्पत्ति मे आपत्ति हो तो इस प्रकाशन के 7 दिन के अन्दर आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर दे, अन्यथा यह मान लिया जायेगा कि किसी भी प्रकार के उपरोक्त संस्था को बंधक रखने में कोई आपत्ति नहीं है।

(प्रग्यांशु शुक्ला एडवोकेट)
L.G.F.–011, निचली भूतल, A1 बिल्डिंग
ब्लाक – A, सेक्टर–59 नोएडा उ०प्र०
पिन कोड–201301
मो०–8920298602

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सीऽडि०) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं०–527/2025
विजय कुमार
बनाम
कन्हैया लाल आदि
1. कन्हैया लाल आयु करीब 75 साल पुत्र नगेसर साकिन चैनपुरवा तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. उ०प्र० सरकार द्वारा कलेक्टर बस्ती –प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 17–12–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 12 सन 2026 ई० बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई० जारी किया गया।
–द० हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अदालत–श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सिविल अपील सं०–33/2026
मूलवाद सं०–725/1986
रामसुभग (मृतक)
बनाम
रामसहाय आदि
1. रामसहाय उम्र 50 वर्ष पुत्र महादेव निवासी मौजा नगराबौडिहार तप्पा कोरऊ परगना मछली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
2. रामअचल (मृतक)
2/1 श्रीमती इन्द्रावती देवी उम्र 50 वर्ष पत्नी रामकरन साकिन हाल मुकाम मिश्रौलिया तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
3. महादेव (मृतक)
3/1 श्रीमती उमरावती उम्र 70 साल पत्नी राकेश कुमार साकिन मौजा मुन्डेरवा तप्पा कपरी महसो परगना मछली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 3/2 श्रीमती प्रेमा उम्र 55 वर्ष पत्नी हृदयराम साकिन पिपरा कला तप्पा उजियार परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीर नगर 4. रामराज (मृतक) 5. श्रीमती गायत्री देवी (मृतक)
–विपक्षीगण/रेस्पान्डेन्टियान
तारीख पेशी 24–12–2026
अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई० रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 24 महीना 12 सन 2026 ई० वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिब हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द० हाकिम

अनुसंधान एवं साक्ष्य प्रमाणित है आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति

संवाददाता–गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में मंगलवार को बीएएमएस के विद्यार्थियों के अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें नवप्रवेशित शारंगधर बैच के बीएएमएस विद्यार्थियों का अभिमुखीकरण कार्यक्रम किया गया। डॉ. डीके सिंह ने अनुसंधान जागरूकता एवं साक्ष्य आधारित आयुर्वेद विषय पर व्याख्यान दिया। कहा कि आयुर्वेद पद्धति की चिकित्सा अनुसंधान एवं साक्ष्य प्रमाणित है। विशेष अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह ने आयुर्वेद की सफलता की कहानियांरू वास्तविक रोगी चिकित्सा अनुभव विषय पर अपनी बात रखी। डॉ. आकाश चंद्र त्रिपाठी ने आयुर्वेद के महत्व एवं चिकित्सा क्षेत्र में इसकी भूमिका पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

लाभ-हानि, मान-अपमान मिलता है प्रारब्ध के अनुसार- विद्याधर भारद्वाज



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। सुख और दुख मानव जीवन का प्रारब्ध है। मानव जीवन मे लाभ–हानि, मान–अपमान प्रारब्ध के अनुसार मिलता है। इसलिए हमे जीवन का हर क्षण अच्छे कार्यो मे लगाना चाहिए ।

यह विचार अवध धाम से पधारे कथा वाचक विद्याधर भारद्वाज ने छरदही गांव मे दुग्धेश्वर नाथ शिव मंदिर परिसर में चल रही संगीतमयी भागवत कथा के तीसरे दिन व्यास पीठ से व्यक्त किया। उन्होंने संतों के लक्षण बताते हुए कहा कि सरल स्वभाव, जिसका हृदय करुणा से भरा हो, क्षमाशील सम्भाव रखने वाला, हमेशा लोक कल्याण का कार्य करने वाला ही संत है । जिस प्राणी के अंदर यह गुण विद्यमान है वहीं संत है और यह सत्संग के माध्यम से ही संभव है। एक दिन राजा परीक्षित शिकार करने जंगल में गए। वहां भूख प्यास से व्याकुल होकर शमीक ऋषि के आश्रम पहुंचे और वह जल मांग रहे थे। जब उनको जल नहीं मिला तो क्रोध में आकर बगल में पड़ा मरा हुआ सर्प अपने धनुष के तीर से उठाकर शमीक ऋषि के गले में डाल दिए। ऋषि पुत्र नदी में स्नान कर रहे थे सभी ऋषियो ने उन्हें जा करके बताया कि तुम्हारे पिता जी के गले में राजा परीक्षित ने मरा हुआ सर्प डाल दिया है। क्रोध में आकर ऋषि पुत्र ने एक अंजुली जल लेकर राजा को श्राप दे दिया और कहा कि जाओ वही मरा हुआ सर्प आज के सातवें दिन तुम्हें डस लेगा। जिसके कारण तुम्हारी मृत्यु हो जाएगी। जैसे ही राजा अपने महल में जाकर मुकुट को उतारा तो वह अपने किए गए कर्मों पर पश्चाताप करने लगे। राजा ने कहा मुझे मेरे बुरे कर्मों का ऐसा ही दंड मिलना चाहिए। राजा परीक्षित आनन–फानन में अपने पुत्र जन्मेजय को सिंहासन पर बैठा कर गंगा के तट पर पूजा अर्चना करने चले गए। फिर ऋषि सौनक को अपने पिछले किए गए कर्मों को बताया और पूंछा कि फिर गए बुरे कर्मों का पश्चाताप कैसे किया जाए। जिनको मरने में सिर्फ सात दिन का समय शेष बचा हो तब सुखदेव जी ने प्रेम पूर्वक उनको समझाते हुए कहा कि आप श्रीमद्भागवत कथा का सात दिनों तक रसास्वादन करिए। जिससे आपके बुरे कर्मों से छुटकारा मिल जाएगा। राजा परीक्षित ने आनन–फानन में श्रीमदभागवत कथा का आयोजन कर सात दिनों तक उसका रसपान किया। जिससे हमारे बुरे कर्मों से मुक्ति मिल सके।

कथा में मुख्य यजमान हरि गोविंद द्विवेदी, शकुंतला देवी, रामगोपाल दूबे, शेखर द्विवेदी, विशाल दुबे, हरिओम त्रिपाठी, राजकुमार उपाध्याय, अम्बिका प्रसाद मिश्र, विनय दुबे, सुशील दुबे, गिरीश दुबे, आनंद दुबे, महाबीर प्रसाद सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि०. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com